

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 271] No. 271] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 22, 2013/अग्रहायण 01, 1935

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 22, 2013/AGRAHAYANA 01, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 2013

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के या वहां से निर्यातित 4,4 डाइअमीनी स्टिलबेन 2, 2—डाइसल्फोनिक एसिड (डी ए एस डी ए) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच

सं 14/1/2012—डीजीएडी.— वर्ष 1995 में और उसके बाद यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय—समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि :

- 1. यतः मै. दीपक नाइट्राइट लिमि. (जिसे आगे घरेलू उद्योग भी कहा गया है), ने चीन जन. गण. (जिसे आगे सम्बद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित 4,4 डाईअमीनी स्टिलबेन 2,2 डाइसल्फोनिक एसिड (डी ए एस डी ए) (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पटन का आरोप लगाते हुए अधिनियम और नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया और संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क के उद्ग्रहण के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया ।
- 2. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर नियमावली के अधिनियम 5(5) के अनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरु करते हुए 26 जुलाई, 2012 की सं. 14/1/2012— डी जी ए डी के तहत सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया तािक आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके तथा पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि उद्ग्रहीत किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी ।

4954 GI/2013 (1)

ख. प्रक्रिया

- 3. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :
 - i. प्राधिकारी ने नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार आवेदन प्राप्त होने के बारे में भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया ।
 - ii. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति संगत प्रश्नावलियों आदि के साथ संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग को भेजी । ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर दायर करें और अपने विचारों से लिखित में अवगत कराएं ।
 - iii. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के ज्ञात निर्यातकों को संबोधित पत्र एवं अनुबंधों की प्रति के साथ भारत स्थित सम्बद्ध देश के दूतावास को भेजी गई थी ।
 - iv. उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों तथा दूतावास को उपलब्ध कराई गई थी ।
 - v. घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त सूचना / दस्तावेजों के संगत अगोपनीय रूपांतरण के साथ हितबद्ध पक्षकारों को सार्वजनिक फाइल के रूप में भी उपलब्ध कराई गई थी ।
 - vi. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं :
 - (क) शान्कसी श्याग्यू कैमिकल कंपनी लिमिटेड फैंग्सी इंडस्ट्री जोन, लिन्ये काउंटी, चीन पी आर, पी सी: 044100
 - (ख) हेबाई हैंगसुई डोंगगैंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड इस्ट डेगिंग रोड, हेंगसुई, चीन, पी आर — 053000
 - (ग) हेबाई हुआ—कैम ग्रुप साउथ डोंगग्आंग काउंटी, हेबाई, चीन पी आर — 061600
 - (घ) हैंगसुई जिंगहैंग कैमिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड 13एम, यूहुआ रोड, हैंगसुई सिटी, हेबाई, चीन पी आर
 - (ड.) बोटोउ तियान्हे कैमिकल कंपनी लिमिटेड, 171 नांकांग स्ट्रीट, बोटोउ सिटी, हेबाई प्रोविंस, चीन पी आर
 - (च) यांशी डोंगयुआन कैमिकल कंपनी लिमिटेड, डोंगडाजियाओ इंडस्ट्रियल जोन, डियानझुंग, यांशी, ल्योयांग, हेनान प्रोविंस, चीन, पी आर
 - vii.जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में मै. हुआ कैम डाई कैमिकल कं.लि., डा झांग टाउन, साउथ डांग गुआंग काउंटी, हेबाई, चीन जन. गण. ने निर्यातक प्रश्नावली का जवाब दायर कर उत्तर दिया।
 - viii. नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों / प्रयोक्ताओं को भी प्रश्नावलियां भेजीं :
 - डाइकाफिल कैमिकल्स
 - ख्याति कैमिकल्स
 - प्रणव कैमिकल्स
 - प्रग्ना डाइ कैम
 - जयश्री कैमिकल्स
 - जे. बी. इंडस्ट्रीज
 - रघुनाथ डाइ कैम
 - पैरामाउंट मिनरल्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड
 - ऐश्वर्य कैमिकल्स
 - बी ए एस एफ इंडिया लिमिटेड
 - हिंद प्रकाश इंटरनेशनल लिमिटेड
 - इटाकैम इंटरनेशनल
 - अनिल ऑर्गेनिक्स
 - क्लैरियंट कैमिकल्स (इंडिया) लिमिटेड
 - पैरामाउंट मिनरल्स
 - कैमैक्स लिमिटेड
 - संजय केल्स कारपोरेशन
 - मोडर्न कैमिकल्स

- द डाइस्टफ्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया
- बी ए एस एफ, द कैमिकल कंपनी
- एसके डाइस्टफ्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन
- मेघमणी डाइस इंटरमीडिएट्स लिमिटेड
- ix. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों ने आयातक प्रश्नावली दायर कर उत्तर दिया है :
 - मैसर्स क्लेरियंट कैमिकल्स (इंडिया) लिमिटेड
 - ख्याति कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
 - बी ए एस एफ इंडिया लिमिटेड
 - एस्के डाइस्टफ्स एंड ऑर्गेनिक कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
 - पैरामाउंट मिनरल्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड
 - संजय सेल्स कारपोरेशन
 - डैलकैफिल कैमिकल्स इंडिया लिमिटेड
- x. निम्नलिखित आयातकों / प्रयोक्ताओं तथा अन्य विशेष हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध किए गए हैं :
 - द डाइस्टफ्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया
 - ख्याति कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
 - बी ए एस एफ इंडिया लिमिटेड
 - एस्के डाइस्टफस एंड ऑर्गेनिक कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
 - पैरामाउंट मिनरल्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड
 - मेघमणी डाइस इंटरमीडिएटस लिमिटेड
 - डैलकैफिल कैमिकल्स इंडिया लिमिटेड
 - आल इंडिया व्हाइटनर्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन
 - संजय सेल्स कारपोरेशन
 - व्हाइटेक्स कैमिकल्स
 - रघुनाथ डाइ कैम
 - विदाजा कैमिकल प्राइवेट लिमिटेड
 - डेल्टा हाइड्रोकार्बन्स
 - वराही कैमिकल्स
- xi. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हुआ है, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं ।
- xii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत निकाली गई थी, तािक यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- xiii. चीन जन.गण. के सभी ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को इस अनुरोध के साथ बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली भेजी कि प्राधिकारी को निर्धारित समय के भीतर संगत सूचना उपलब्ध करा दी जाए । यद्यपि जांच की शुरूआत के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य पर भारत में विधिवत समायोजित उत्पादन लागत के आधार पर विचार किया गया था । तथापि, प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को यह सूचित किया कि उसका उद्देश्य यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध–1 के पैरा 7 और 8 को ध्यान में रखते हुए आदेश के दावे की जांच करने का है । अतः चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों / उत्पादकों से अनुरोध किया गया कि वे आवश्यक सूचना / पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें तािक प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या जीन जन.गण. के सहयोगी निर्यातकों / उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जा सकता है ।
- xiv. चीन जन. गण. के प्रतिवादी उत्पादक / निर्यातक मैं० हुआ कैम डाई कैमिकल कं.लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा नहीं किया है।
- xv. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से अनुरोध किया गया था कि वह जांच अविध सिहत क्षति अविध के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करें ।
- xvi. वर्तमान जांच परिणाम में प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस के आंकडों पर भरोसा किया है।

- xvii. आवेदक द्वारा प्रस्तावित जांच अवधि (पी ओ वाई) 1 जनवरी, 2011 से 31 दिसम्बर, 2011 (12 माह) की थी । तथापि, प्राधिकारी द्वारा अधिक अद्यतित आंकड़ों के आधार पर अपेक्षित विश्लेषण किए जाने के लिए प्राधिकारी ने एतद्द्वारा जांच अवधि 1 जनवरी, 2011 से 31 मार्च, 2012 (15 माह) तक की निर्धारित की। तथापि, क्षति जांच अवधि में अप्रैल, 2008 मार्च, 2009, अप्रैल, 2009 मार्च, 2010, अप्रैल, 2010 मार्च, 2011 की अवधि और जांच अवधि शामिल है ।
- xviii. हितबद्ध पक्षकारों को सुनने के लिए प्राधिकारी ने 10.6.2013 को मौखिक सुनवाई आयोजित की जिसमें हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे और प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में संगत समझी गई सीमा तक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए लिखित अनुरोधों तथा प्रस्तुत उत्तरों की जांच कर उन पर विचार किया है ।
- xix. जांच पूरी करने और अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित करने के लिए राजस्व विभाग ने 30 जनवरी, 2013 के कार्यालय ज्ञापन सं. 354/141/2013 टी आई यू के तहत 25 नवम्बर, 2013 तक समय विस्तार की अनुमति प्रदान की है ।
- xx. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया है।
- xxi. हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष जांच के अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन 11 नवम्बर, 2013 के प्रकटन विवरण के तहत किया गया था और प्रकटन विवरण के बाद टिप्पणियों सहित जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में संगत समझी गई सीमा तक विचार किया है ।
- xxii. *** यह चिह्न इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है ।
- xxiii. जांच अवधि के लिए प्राधिकारी द्वारा ली गई विनिमय दर 47.66 रु. = 1 अम.डा. है ।

ग) विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

घरेलू उद्योग के अनुरोध

- 4. विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) और समान वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं :
 - i. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद 4,4 डाइअमीनो स्टिलबेन 2,2 डाइ सल्फोनिक एसिड है, जिसे वर्तमान याचिका में डी ए एस डी ए कहा गया है ।
 - ii. डी ए एस डी ए को 2,2' (इथायलेनेडाइल) बी आई एस (5 अमीनो बेंजोनेसल्फोनिक एसिड), 4, 4' डाइअमीनोस्टिल बेन 2, 2' — डाइसल्फोनिक एसिड, 2, 2' एथीन — 1, 2 — डाइलिक्स (5 — अमीनो बैंजीन सल्फोनिक एसिड), एम्सोनिक एसिड तथा डी एस डी एसिड के नाम से भी जाना जाता है ।
 - iii. डी ए एस डी ए हल्के पीले रंग का पाउडर /क्रीम होती है जिसका प्रयोग ऑप्टीकल चमक प्रदायी एजेंटों, फ्लूरेसेंट चमक प्रदायी एजेंटों आदि रंजक पदार्थों के संश्लेषण में किया जाता है। यह मुख्यतः आप्टीकल चमकप्रदायी एजेंटों के विनिर्माण हेतु एक रसायन मध्यवर्ती के रूप में कार्य करता है। इसका प्रयोग कीटनाशकों मे भी किया जा सकता है।
 - iv. विचाराधीन उत्पाद का केवल एक ज्ञात ग्रेड है । तथापि, उत्पाद की आपूर्ति 95 प्रतिशत अथवा 98 प्रतशत जैसे अलग—अलग सांद्रणों में की जा सकती है ।
 - v. उत्पाद की बिक्री विशिष्ट रूप से भार (किलोग्राम) के आधार पर की जाती है और इसे विशिष्ट रूप से बुने गए थैलों में पैक किया जाता है।
 - vi. डी ए एस डी ए सीमा शुल्क टैरिफ वर्गीकरण शीर्षक 29215990 के अन्तर्गत अविशष्ट श्रेणी में वर्गीकृत है। संबद्ध वस्तु का आयात कई अन्य टैरिफ शीर्षों के अंतर्गत भी किया जा रहा है ।

उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

5. इस बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने कोई संगत अनुरोध नहीं किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 6. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद 4,4 डाइअमीनो स्टिलबेन 2,2 डाइ सल्फोनिक एसिड है जिसे डी ए एस डी ए भी कहा गया है । इसे 2,2' − (इथायलेनेडाइल) बी आई एस (5 − अमीनो बेंजोने सल्फोनिक एसिड), 4, 4' − डाइअमीनोस्टिल बेन − 2, 2' − डाइसल्फोनिक एसिड, 2, 2' एथीन − 1, 2 − डाइलिक्स (5 − अमीनो बैंजीन सल्फोनिक एसिड), एम्सोनिक एसिड तथा डी एस डी एसिड के नाम से भी जाना जाता है । डी ए एस डी ए हल्के पीले रंग का पाउडर ∕क्रीम होती है जिसका प्रयोग ऑप्टीकल चमक प्रदायी एजेंटों, फ्लूरेसेंअ चमक प्रदायी एजेंटों आदि रंजक पदार्थों के संश्लेषा में किया जाता है । संबद्ध वस्तु अध्याय शीर्ष 29215990 के अंतर्गत वर्गीकृत है, यद्यिप सूचना के अनुसार इसका आयात 29214290, 29222190, 29222990, 29309099 आदि जैसे कई अन्य टैरिफ शीर्षों के अंतर्गत किया जा रहा है । तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।
- 7. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि संबद्ध देश से आयोजित संबद्ध वस्तु घरेल उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है । जैसा कि घरेलू उद्योग ने दावा किया है, विचाराधीन उत्पाद का केवल एक ज्ञात ग्रेड है। तथापि, उपमोक्ता की अपेक्षाओं के आधार पर उत्पाद की आपूर्ति 95 प्रतिशत या 98 प्रतिशत जैसे अलग–अलग सांद्रणों में की जा सकती है । पाटित आयातों तथा घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु और

आवेदक द्वारा विनिर्मित उत्पाद किसी के भी तकनीकी विनिर्देशनों, गुणवत्ता, कार्य या अंतिम उपयोग में कोई अंतर नहीं है । दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए इन्हें नियमों के अन्तर्गत 'समान वस्तु' माना जाता है । अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देश से आयात की जा रही संबद्ध वस्तु के 'समान वस्तु' माना जा रहा है।

- 8. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है : "समान वस्तु" से ऐसी कोई वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पारित करने के लिए जांचाधीन वस्तु से हर प्रकार से समनुरुप या समान है अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु अभिप्रेत है जो यद्यपि इर प्रकार से समान नहीं है, तथापि उसमें जांचाधीन उत्पाद से अत्यधिक मिलती—जुलती विशेषताएं हैं।"
- 9. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण तथा वस्तु के बाजार एवं टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है । प्रतिवादी निर्यातक ने यह भी स्वीकार किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और उनके द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु के बीच भौतिक मापदंडों, विनिर्माण, तकनीकी अथवा रासायनिक विशेषताओं में कोई अंतर नहीं है और उनके घरेलू बाजार में बेची गई तथा भारत सिहत अन्य देशों को निर्यात की गई संबद्ध वस्तु समान है और इसकी तुलना की जा सकती है ।
- 10. विचाराधीन उत्पाद समान वस्तु के क्षेत्र के बारे में किसी हितबद्ध पक्षकार से कोई तर्क प्राप्त नहीं हुआ है । उत्पादक तथा आवेदक द्वारा प्रस्तुत आयात के आंकड़ों की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। विनिर्माण प्रक्रिया और प्रतिस्थापनीयता में समानता को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि इस मामले में "विचाराधीन उत्पाद" को परिभाषित करने के प्रयोजनार्थ दोनों को समान और एक ही उत्पाद मानने की जरुरत है ।

घ. घरेलू उद्योग का आधार और क्षेत्र

घरेलू उद्योग के अनुरोध

11. घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान डी ए एस डी ए को आयात नहीं किया है । याचिकाकर्ता विचाराधीन उत्पाद का प्रमुख उत्पादक है । यचिकाकर्ता द्वारा संबद्ध वस्तु के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में एक बड़ा भाग है और इसलिए वह नियमों के अंतर्गत आधार की अपेक्षा को पूरा करता है।

उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

12. घरेलू उद्योग ने आयातित अपरिष्कृत डी ए एस डी ए का प्रयोग डी ए एस डी ए के उत्पादन में कच्ची सामग्री के रूप में किया है । अनुरोध है कि अपरिष्कृत डी ए एस डी ए और कुछ नहीं बल्कि डी ए एस डी ए ही है । प्राधिकारी जांच अविध के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा अपरिष्कृत डी ए एस डी ए के आयात के मददेनजर आधार के मुददे की जांच कर सकते हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 13. सत्यापित आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान अपरिष्कृत डीएएसडीए का आयात नहीं किया है ।
- 14. यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स दीपक नाइट्राइट लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है । रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार आवेदक का हिस्सा सम्बद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का बड़ा भाग बनता है और जो भारतीय उत्पादन के 90 प्रतिशत से अधिक है । दीपक नाइट्राइट लिमिटेड के अलावा मैसर्स जे.बी.कैमिकल्स, मैसर्स प्रणव कैमिकल्स और मैसर्स ऐश्वर्या कैमिकल्स सूचना के अनुसार सम्बद्ध वस्तु के उत्पादक हैं । उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स दीपक नाइट्राइट लिमिटेड का भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा बनता है । इसके अलावा नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में मैसर्स दीपक नाइट्राइट के आधार और क्षेत्र का खण्डन करते हुए किसी भी हितबद्ध पक्षकार से कोई तर्क प्राप्त नहीं हुआ है । अतः प्राधिकारी मैसर्स दीपक नाइट्राइट लिमिटेड को नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का भाग निर्धारित करते हैं और आवेदन उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार संबंधी मानदंड को पूरा करता है ।

ड. गोपनीयता

घरेलू उद्योग के अनुरोध

15. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए उस स्थिति में गोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराया है जहां वास्तविक सूचना उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है, सूचीबद्ध सूचना उपलब्ध कराई गई है ।

उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

16. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ने अपनी याचिका में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. सूचना की गोपनीयता के बारे में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नानुसार उपबंध है :--

- गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उप नियम (2), (3) और (7), नियम 12 के उप नियम (2), नियम 15 के उप नियम (4) और नियम 17 के उप नियम (4) में किसी बात के होते हुए भी नियम (5) के उप नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियों अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी को जांच के दौरान किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त किसी अन्य सूचना को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट होने के बाद उसके द्वारा गोपनीय माना जाएगा और ऐसी किसी सूचना का प्रकटन ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को नहीं किया जाएगा।
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है तो ऐसा पक्षकार ऐसे कारणों का एक विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है कि सारांशीकरण क्यों संभव नहीं है ।
- 3. उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है या सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्यीकृत रूप में या सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं ।
- 18. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हुआ है, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं । प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया :

च. विविध अनुरोध

घरेलू उद्योग के अनुरोध

- 19. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध अनुरोध निम्नानुसार हैं :
 - i. याचिकाकर्ता ने समस्त संगत सूचना उपलब्ध कराई है जिसका सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया है ।
 - ii. घरेलू मांग को पूरा करने में घरेलू उद्योग की अक्षमता से घरेलू उद्योग नियमों के अंतर्गत सुरक्षा प्राप्त करने से वंचित नहीं होता है ।
 - iii. इस तर्क का कोई आधार नहीं है कि पाटनरोधी शुल्क सार्वजनिक हित में नहीं होगा । जैसा कि प्राधिकारी ने बार—बार माना है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है । तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहारों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का द्वास रुकेगा और सम्बद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध करने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता अभी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत रख सकते हैं ।
 - iv. याचिकाकर्ता द्वारा किए जाने वाले एफबीए के उत्पादन से स्थानीय बाजार में डी एस एस डी ए की उपलब्धता किसी भी रूप में प्रभावित नहीं होगी । कंपनी की डी एस एस डी ए की क्षमता 7800 मी.ट. है। उसकी आबद्ध जरुरत चालू वर्ष में केवल 1000 मी.ट. और एफ बी ए के पूर्ण स्तर पर उत्पादन किए जाने पर 2000 मी.ट. होगी । कम्पनी इस समय 3500 मी.ट. का निर्यात कर रही है जो उत्पादन की सीमा तक घरेलू बाजार में बिक्री करने की कंपनी की अक्षमता के मद्देनजर उसके अधिकार से बाहर की स्थिति है । इसके अलावा वर्तमान उत्पादन भी लगभग 1000 मी.ट. तक कम है । इस प्रकार, सम्पूर्ण आबद्ध जरुरतों पर विचार करने के बाद भी कंपनी की क्षमता घरेलू बाजार में बिक्री के लिए 5800 मी.ट. की होगी । लगभग 1000 मी.ट. की क्षमता अन्य घरेलू उत्पादकों के पास मौजूद है। विचाराधीन उत्पादन की मांग अब तक 6500 मी.ट. तक पहुंच चुकी है । इस प्रकार, 6500 मी.ट. की स्थापित मांग की तुलना में उपलब्ध क्षमताएं 6800 मी.ट. की होंगी अर्थात् ये देश में उत्पाद की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं।
 - v. माने गए निर्यात कीमत कटौती पर विचार करने के लिए संगत हैं । वस्तुतः निर्यातक ने सुनवाई के समय इस बात पर सहमति व्यक्त की थी कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए शुल्क मुक्त आयात और मानी गई निर्यात बिक्री से कीमत कटौती का प्रभाव पड़ा ।

उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

- 20. उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विविध अनुरोध निम्नानुसार हैं :
 - i) जांच की शुरूआत को न्यायोचित ठहराने के लिए आवेदक द्वारा दायर आवेदन पूर्णतः त्रुटिपूर्ण और अपर्याप्त है । जांच की शुरूआत से पूर्व सूचना/आंकड़ों की तथ्यपरक जांच नहीं की गई है ।
 - ii) याचिकाकर्ता के एकाधिकार के कारण लघु उद्योग नुकसान उठा रहे हैं और वे प्रचालन बंद कर सकते हैं। पाटनरोधी उपायों से बहराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े कारपोरेट एकाधिकार वादियों को लाभ मिलेगा जिससे लघु एवं मध्यम उद्यम बंद हो जाएंगे।
 - iii) डी ए एस डी ए की आपूर्ति घरेलू मांग से कम है जिससे आयात आवश्यक बन जाते हैं। दीपक नाइट्राइट की ओ बी ए परियोजना से देश में डी ए एस डी ए की आपूर्ति की स्थिति आगे और गंभीर बन जाएगी । डी ए एस डी ए के प्रयोक्ता लघु उद्योग हैं और किसी शुल्क को लगाए जाने से एस एन ई पर प्रभाव पड़ेगा । डी ए एस डी ए पर पाटनरोधी शुल्क की मांग किए जाने से अन्य रंजक पदार्थों / ओ बी ए उत्पाद कार्यनीतिक रूप से समाप्त हो जाएंगे । याचिकाकर्ता की ओ बी ए परियोजना के कारण अन्य ओ बी ए उत्पादक प्रतिस्पर्धी दरों पर डी ए एस डी ए को प्राप्त नहीं कर सकेंगे और मांग—आपूर्ति में अंतर आ सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता की प्राथमिकता अपनी आबद्ध जरुरतों को पूरा करने और निर्यात करने की होगी ।

- iv) जांच की एक अवधि के आधार पर जो ढाई वर्ष पुरानी है और वर्तमान आर्थिक स्थिति में संगत नहीं है, पाटनरोधी शुल्क लागू करना अनुचित और औचित्य रहित है । अतः प्राधिकारी को जांच की नई अवधि लेते हुए मामले की समीक्षा करनी चाहिए ।
- v) घरेलू उद्योग द्वारा किए गए माने गए निर्यात और कुछ नहीं बल्कि एफ टी पी के अध्याय 8 के अनुसार माने गए निर्यात हैं । घरेलू उद्योग ने इओयू इकाई को आपूर्ति की है और ऐसी आपूर्तियों को घरेलू बिकी नहीं माना जा सकता । कीमत कटौती की गणना करते समय प्राधिकारी को इसे ध्यान में रखा जाए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 21. प्राधिकारी ने सम्बद्ध जांच चीन ज.ग. के मूल की या वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के साक्ष्य के बारे में प्रथम दृष्टया संतुष्ट होने के बाद शुरू की है । इसके अलावा प्राधिकारी ने जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया है ।
- 22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का उद्देश्य और प्रयोजन अनुचित व्यापार व्यवहार को रोकना और डब्ल्यू टी ओ के तत्वावधान में पाटित आयातों के मुकाबले घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धा का समान स्तर प्रदान करना है और किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा व्यापार के एकाधिकार का समर्थन करना नहीं है । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों में यह अपेक्षा नहीं की गई है कि आवेदक को भारत में मांग की सम्पूर्ण पूर्ति करने में सक्षम होना चाहिए और उसके पास पाटन के कारण उसे हुई क्षति के निवारण की मांग करने से पूर्व इस हेतु पर्याप्त क्षमता होनी चाहिए।
- 23. यह स्वीकार किया गया तथ्य है कि दीपक नाइट्राइट लिमिटेड द्वारा दहेज गुजरात में फ्लूरेसेंट ब्राइटनिंग एजेंट (एफ बी ए) की उत्पादन क्षमता स्थापित करने की प्रक्रिया चलाई जा रही है। तथापि, जैसा कि घरेल उद्योग द्वारा सत्यापन के दौरान स्पष्ट किया गया है, उनकी एफबीए परियोजना के बावजूद घरेलू बाजार के लिए सम्बद्ध वस्तु की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होगी ।
- 24. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि प्राधिकारी को जांच की नई अवधि लेकर इस मामले की समीक्षा करनी चाहिए क्योंकि वर्तमान जांच की जांच अविध पुरानी है और आर्थिक स्थितियों में बदलाव आ गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध पाटनरोधी जांच हाल की अविध को जांच अविध के रूप में लेते हुए 26 जुलाई, 2012 को शुरू की गई थी, अतः वर्तमान पाटनरोधी जांच की जांच अविध पुरानी नहीं मानी जा सकती । इसके अलावा जांच की अविध से आगे का कोई घटनाकृम नियमों के अंतर्गत समीक्षा का मामला बनता है ।
- 25. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा किए गए माने गए निर्यातों को घरेलू बिक्री का भाग माना है और तदनुसार कीमत कटौती की गणना की है ।

छ. बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

घरेलू उद्योग के अनुरोध

- 26. घरेलू उद्योग के अनुरोध संक्षेप में निम्नानुसार हैं :
 - (क) चीन को निम्नलिखित कारणों से गैर–बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए :
 - i. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता, जिसमें प्रमुख शेयरधारकों में से एक शेयरधारक राज्य की स्वामित्व वाली / नियंत्रित कंपनी है ।
 - ii. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है ।
 - iii. उत्पाद के उत्पादन हेतु उपयोगिता की एक बड़ी मद के रूप में विद्युत और ईंधन की जरुरत होती है । निर्यातकों द्वारा इस बात की पृष्टि की जानी चाहिए कि उपयोगिताओं की कीमत में उचित बाजार मूल्य प्रदर्शित होता है ।
 - iv. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करता है कि उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप की जाती है ।
 - v. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता यदि एक भी मापदंड की पूर्ति होती है ।
 - vi. यह सिद्ध करने का दायित्व प्राधिकारी पर नहीं है कि चीन की कंपनियां वास्तव में बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में प्रचालन कर रही है और वह बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की हकदार है । यह सिद्ध करना चीन के प्रतिवादी निर्यातकों का दायित्व है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रही हैं ।
 - vii. ऐसी स्थिति जिसमें वर्तमान शेयरधारकों ने स्वयं उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं, परंतु किसी अन्य पक्षकार ने इन्हें अर्जित किया है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि रूपांतरण की प्रक्रिया की पूर्णतः पुष्टि दस्तावेजी साक्ष्य के जिए नहीं की जाती है ।
 - (ख) प्रदत्त सूचनाओं के आधार पर निर्यात कीमत की पुष्टि नहीं की जा सकती । निर्यात कीमत का समायोजन कारखाना निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, बैंक प्रभार, पत्तन एवं हैंडलिंग प्रभार और वैट वापसी के लिए समायोजन जैसे व्यय हेतु किया जाना चाहिए ।

- (ग) आयात की पहुंच कीमत निकालते समय शिक्षा उपकर को आयातों की पहुंच कीमत में जोड़ने की जरुरत नहीं होती है और न ही आवेदन प्रपत्र में इसका प्रावधान है ।
- (घ) इस बात की पुष्टि किए जाने की जरुरत है कि माहवार तुलना को न्यायोचित ठहराने के लिए सामान्य मूल्य और लागत दोनों में भारी अंतर है ।

उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

- 27. उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध निम्नानुसार हैं :
 - i) पहुंच कीमत की गणना करते समय याचिकाकर्ता ने शिक्षा उपकर को हिसाब में नहीं लिया है।
 - ii) जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देश से पहुंच कीमत आधार वर्ष में 100 से घटकर 87 हो गई है।
 - iii) प्रतिवादी निर्यातक की घरेलू बिक्री कीमत पर सामान्य मूल्य के लिए विचार किया जाना चाहिए क्योंकि घरेलू बिक्री भारतीय निर्यात के साथ तुलना करने के लिए पर्याप्त है ।
 - iv) उत्पाद की कीमत में उतार—चढ़ाव पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण वर्तमान मामले में माहवार किया जाए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयात की पहुंच कीमत की गणना करते समय शिक्षा कर पर विचार किया गया है ।
- 29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का माहवार विश्लेषण करने के लिए उक्त अवधि के दौरान उत्पाद की कीमत में मात्र अंतर अपर्याप्त होता है ।
- 30. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि प्रतिवादी निर्यातक की घरेलू उत्पादक की कीमत पर सामान्य मूल्य हेतु विचार किया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह मानते हैं कि चीन गैर–बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश होने के कारण घरेलू कीमत पर बाजार कीमत के प्रदर्शक के रूप में भरोसा नहीं किया जा सकता । इसके अलावा चीन के प्रतिवादी निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा नहीं किया है ।
- 31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले 3 वर्षों में भारत तथा डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन0 गणराज्य को गैर– बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है । अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन ज.ग. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा अलग—अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमान के खण्ड के अधीन है ।
- 32. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के पैरा–8, अनुबंध–1 के अनुसार गैर– बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है । चीन0 जन0 गण0 से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों / उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना / पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :–
 - क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन.जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मृल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
 - ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपित्तयों के मूल्यह्रास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय—व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर—बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
 - ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
 - घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।
- 33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स हेबाई हुआ कैम डाई कैमिकल कंपनी लिमिटेड चीन जन0 गणराज्य की मात्र ऐसी कंपनी है जिसने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है । परंतु कंपनी ने अपेक्षित प्रश्नावली का उत्तर दायर कर बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा नहीं किया है । प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी सूचना के बाद सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के अन्य उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है अौर गैर— बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खण्डन नहीं किया है । उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए और चीन की प्रतिवादी कंपनी द्वारा गैर—बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खण्डन के अभाव में प्राधिकारी चीन जन0 गणराज्य के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार कार्यवाही करना उचित समझते हैं ।

छ.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण

34. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा ७ में प्रावधान है कि :

"गेर— बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सिहत अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी । "

- 35. प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया है कि याचिकाकर्ता ने नियमावली अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार बिकी, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ संबंधी समायोजन सिहत विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य के मामले में परिकलित सामान्य मूल्य का दावा किया है । तथापि, आवेदकों और चीन के उत्पादकों सिहत किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले समुचित तीसरे देश के रूप में चयन करने हेतु प्राधिकारी के समक्ष कोई वास्तविक तथ्य प्रस्तुत नहीं किया है । घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि इस मामले में चीन हेतु भारत को एक उचित प्रतिनिधिक देश के रूप में माना जाना चाहिए और तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाना चाहिए। किसी भी विरोधी पक्षकार ने घरेलू उद्योग के दावे का खण्डन नहीं किया है।
- 36. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जनगणराज्य में सामान्य का निर्धारण का किया है। तद्नुसार चीन जनवादी गणराज्य के सभी निर्यातकों के लिए विचाराधीन उत्पादन के कारखाना सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख निविष्टि अर्थात् पैरा नाइट्रोटोल्यून की अंतर्राष्ट्रीय कीमत और उस कीमत, जिस पर घरेलू उद्योग ने अन्य कच्ची सामग्रियों की प्राप्ति की है, को ध्यान में रखने के बाद किया गया है। इसके अलावा घरेलू उद्योग के खपत मानकों, परिवर्तन लागत और एसजीए व्यय को स्वीकार किया गया है। पांच प्रतिशत के उचित लाभ मार्जिन को जोड़ने के बाद प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य ***अ.डा./कि.ग्रा. परिकलित किया है।

छ.२ निर्यात कीमत

मैसर्स हेबाइ हुआ-कैम डाइ कैमिकल कंपनी लि., चीन जनवादी गणराज्य

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल मैसर्स हेबाई हुआ—कैम डाइ कैमिकल कंपनी लि., चीन जनवादी गणराज्य ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से उत्तर दिया है और निवल निर्यात की कीमत का निर्धारण करने के लिए अपेक्षित सूचना प्रस्तुत की है । संबंधित उत्पादक / निर्यातक द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर की परिशिष्ट—2 से प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसने जांच अवधि के दौरान *** अ.डा. / कि.ग्रा. की औसत सीआईएफ कीमत पर भारत में सम्बद्ध वस्तु के *** सौदों की सूचना दी थी जिनमें *** मी.ट. का निर्यात शामिल था । प्राधिकारी ने कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के अपने उत्तर में किए गए दावे के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, पत्तन व्यय, अंतरदेशीय भाड़े, बैंक प्रभार, ऋण लागत और 4 प्रतिशत की दर से वैट समायोजन हेतु समायोजन किए थे । तद्नुसार मैसर्स हेबाई हुआ—कैम डाइ कैमिकल कंपनी लि., चीन जनवादी गणराज्य के लिए कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत *** अ.डा. / कि.ग्रा. निर्धारित की गई है ।

असहयोगी निर्यातक

38. असहयोगी निर्यातक के संबंध में सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों के आधार पर न्यूनतम निर्यात कीमत को हिसाब में लिया गया है । कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत निकालने के लिए उपर्युक्तानुसार सहयोगी निर्यातकों को अनुमत समायोजनों के समतुल्य समुद्री भाड़े आदि जैसे समायोजनों की अनुमति प्रदान की गई है । इस पद्धित को अपनाकर सम्बद्ध वस्तु के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में कारखाना स्तर पर निर्यात की कीमत *** अ.डा./कि.ग्रा. निर्धारित की गई है ।

छ.3 <u>पाटन मार्जिन</u>

39. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में यथा निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात की तुलना करते हुए प्राधिकारी द्वारा पाटनमार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है।

विवरण	मैसर्स हेबाई हुआ-कैम डाइ कैमिकल कंपनी लिमिटेड	असहयोगी निर्यातक
सामान्य कीमत — अ.डा. / कि.ग्रा.	***	***
निर्यात कीमत – अ.डा. / कि.ग्रा.	***	***
पाटन मार्जिन – अ.डा. / कि.ग्रा.	***	***
पाटन मार्जिन – %	***	***
पाटन मार्जिन रेंज – %	15-25	20-30

ज. क्षति निर्धारण हेतु कार्य प्रणाली और क्षति तथा कारणात्मक संबंध की जांच

क्षति का निर्धारण

उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितकारी पक्षकारों के अनुरोध

- 40. उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितकारी पक्षकारों के क्षति से संबंधित अनुरोध निम्नानुसार हैं :
 - i. याचिकाकर्ता ने जनवरी 2011 से दिसम्बर 2011 के दौरान सकारात्मक कीमत कटौती का दावा किया है जबकि उक्त अवधि के दौरान कीमत कटौती नकारात्मक रही है ।
 - ii. जब विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन को संयंत्र के उत्पादन में शामिल किया जाता है तो संयंत्र में कम उत्पादन होने की संभावना नहीं होती है ।
 - iii. याचिकाकर्ता द्वारा कच्ची सामग्री, उपयोगिता आदि के खपत कारक के बारे में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है ।
 - iv. डीएएसडीए के उत्पादन की तीन प्रकियाएं हैं अर्थात् हाइपोक्लोराइड प्रकिया, एयर ऑक्सीडेशन प्रकिया और अमोनिया ऑक्सीडेशन प्रकिया । प्राधिकारी को तीन अलग–अलग प्रकियाएं होने के कारण सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत में अंतर की जांच करनी चाहिए।
 - v. जांच अवधि के दौरान कीमत में नकारात्मक कटौती हुई है जिसका तात्पर्य यह है कि पहुंच कीमत निवल बिकी प्राप्ति से अधिक है ।
 - vi. जांच अवधि के दौरान संयंत्र के क्षमता उपयोग में 86 प्रतिशत का सुधार हुआ है जिसका तात्पर्य यह है कि क्षति नहीं हुई है ।
 - vii. सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन की प्रक्रिया के द्वारा दो मध्यवर्ती उत्पादों अर्थात् डीएनडीएसए और पीएनटीएसए का उत्पादन किया जाता है जो व्यापार योग्य हैं। इनके अनुपात और लागत के आबंटन की जांच करने की जरूरत है।
 - viii. अपनी घरेलु बिकी की तुलना में याचिका कर्ता के निर्यात बाजार की गिरावट हेतु याचिका में कोई कारण नहीं दिया गया है।
 - ix. वर्ष 2010–11 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मजदूरी में अत्यधिक वृद्धि ।
 - x. याचिकाकर्ता को अपनी खुद की अक्षमताओं के कारण क्षति हुई है न कि सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के पाटन के कारण ।
 - xi. सम्बद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु याचिकाकर्ता की तीन अलग—अलग स्थानों पर तीन इकाइयां हैं । इकाई 1 और 3 प्रथम चरण के उत्पादन अर्थात् पी एन टी एस ए के विनिर्माण से संबंधित हैं और इसे ऑक्सीडेशन के प्रयोजनार्थ इकाई 2 में भेजा जाता है और जहां से वे डी एन एस डी ए नामक उत्पाद प्राप्त करते हैं और उसे पुनः संबंधित इकाई 1 और 3 में वापस भेज दिया जाता है । उत्पादन के मध्यवर्ती चरणों में शामिल ढुलाई लागत के कारण विदेशी उत्पादकों की तुलना में याचिकाकर्ता की उत्पादन लागत अधिक बन जाती है । अतः उचित विश्लेषण सुनिश्चित करने के लिए ढुलाई लागत की उच्च राशि को क्षिति निर्धारण से हटा लिया जाना चाहिए ।
 - xii. याचिकाकर्ता को कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि कम्पनी पिछले 10 वर्षों से लाभ में चल रही है और वह आप्टीकल ब्राइटनिंग एजेंटों (ओ बी ए) के विनिर्माण की ओर अग्रसर हो रही है ।
 - xiii. क्षमता उपयोग, उत्पादन, बिकी मात्रा, माल सूची, रोज़गार व मज़दूरी के संबंध में घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है ।
 - xiv. क्षिति अविध के दौरान निर्यात बाजार और घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु की बिकी कीमत में समान उतार—चढ़ाव प्रदर्शित होता है । वस्तुतः निर्यात बाजार में याचिकाकर्ता की सम्बद्ध वस्तु की बिकी कीमत में गिरावट घरेलू बाजार की तुलना में अधिक आई है। अतः किसी कारणात्मक संबंध की पृष्टि नहीं होती है ।
 - xv. चीन से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कोई प्रतिकूल कीमत प्रभाव नहीं पड़ रहा है। घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि को ग्राहकों पर डाल रहा है, तथापि घरेलू उद्योग निर्यात लाभ स्कीमों के अंतर्गत कम दरों पर बिकी कर रहा है। इस प्रकार, चीन से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कोई प्रतिकूल कीमत प्रभाव नहीं पड़ा है।
 - xvi. जांच अविध के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिकी कीमतों की तुलना में सम्बद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमत अधिक रही है और इस प्रकार आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती नहीं हो रही थी ।
 - xvii. घरेलू उद्योगों की यह दलील कि कंपनी एक बहु उत्पाद कंपनी है और इस प्रकार वार्षिक रिपोर्ट में लाभप्रदता अप्रासंगिक और गलत है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

- 41. क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं :
 - i. याचिकाकर्ता ने घरेलू बिकी और मानी गई निर्यात बिकी दोनों की अपनी बिकी प्राप्ति को अलग करने के बाद कीमत कटौती का निर्धारण किया है । दोनों ही मामलों में कीमत कटौती सकारात्मक है ।
 - ii. याचिका में 'संयंत्र उत्पादन' के आंकड़ों में टंकण संबंधी त्रुटि है ।
 - iii. डीएएसडीए संयंत्र की प्राप्तव्य क्षमता 7800 मी.ट. वार्षिक है ।
 - iv. आवेदन प्रपन्न में सौदेवार आयात आंकडे उपलब्ध कराने की कोई जरुरत नहीं है ।
 - v. प्रौद्योगिकी प्रक्रिया से भिन्न होती है । मात्र इस वजह से कि शामिल प्रक्रियाएं अलग—अलग हैं, यह अर्थ नहीं निकाला जा सकता कि अलग—अलग प्रौद्योगिकियां शामिल हैं । इसके अलावा प्रक्रिया में अंतर तब तक पूर्णतः अप्रासंगिक होता है जब कि यह प्रदर्शित न किया जाए कि अलग—अलग प्रक्रियाओं की लागत अलग—अलग हैं ।

- vi. हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क निराधार है कि कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है।
- vii. यह तर्क सही नहीं है कि ढुलाई लागत की उच्च राशि को उचित विश्लेषण सुनिश्चित करने हेतु क्षति जांच से हटा दिया जाना चाहिए । क्षति अवधि के दौरान याचिकाकर्ता की प्रचालन संरचना में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । इस प्रकार, लाभ में गिरावट शामिल ढुलाई लागत के कारण नहीं आई है ।
- viii. निर्यात बाजार में याचिका कर्ता की सम्बद्ध वस्तु की बिकी कीमत में गिरावट घरेलू बाजार की तुलना में अधिक आई है क्योंकि याचिका कर्ता अपने निर्यातों में भी विचाराधीन उत्पाद के पाटन का सामना कर रहा है । याचिकाकर्ता द्वारा अर्जेण्टीना, ब्राजील, जर्मनी, इटली, जापान, कोरिया, पाकिस्तान, स्पेन, स्विट्रलैण्ड, ताईवान और अमेरिका को उत्पाद का निर्यात किया जा रहा है । इन सभी बाजारों में चीन के विनिर्माताओं द्वारा वस्तु की आपूर्ति की जा रही है।
- ix. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति, चीन जनवादी गणराज्य से सम्बद्ध वस्तु के पाटन के परिणामस्वरूप हुई है ।
- x. याचिकाकर्ता एक बहु उत्पाद कंपनी है और इसलिए विचाराधीन उत्पाद के लिए यह विभिन्न उत्पादों हेतु कंपनी का लाभ पूर्णतः अप्रासंगिक है ।
- xi. घरेलू उपभोक्ताओं से ऑर्डर प्राप्त करने के लिए याचिकाकर्ता को चीन के उत्पादकों को प्रस्तृत करने के लिए बाध्य होना पड़ा ।
- xii. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का प्रतिकूल कीमत प्रभाव काफी अधिक है क्योंिक आयात में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन तथा खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है, आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है, आयातों की पहुंच की कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और क्षति रहित कीमत से काफी कम है, आयातों के कारण घरेलू कीमतों में झस हो रहा है और आयातों से अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हो रही है ।
- xiii. लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह और बाजार हिस्से, उत्पादन, बिकी मात्रा और उत्पादकता के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है । इसके अलावा यद्यपि जांच अविध के दौरान सम्बद्ध देश से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। तथापि, इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है जिससे कारणात्मक संबंध की पुष्टि होती है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 42. प्राधिकारी ने क्षति के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और जवाबी तर्कों को नोट किया है । प्राधिकारी द्वारा नीचे किए गए क्षति विश्लेषण से हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों का स्वतः समाधान हो जाता है । तथापि, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विशिष्ट अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा नीचे विचार किया जा रहा है :
 - i. जहां तक आयातकों / प्रयोक्ताओं के इस तर्क का संबंध है कि डी ए एस डी ए के उत्पादन की तीन प्रक्रियाएं हैं अर्थात् हाइपोक्लोराइड प्रक्रिया, एयर ऑक्सीडेशन प्रक्रिया और अमोनिया ऑक्सीडेशन प्रक्रिया, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध देश के सहयोगी उत्पादक / निर्यातक द्वारा दायर उत्तर में इस तर्क का समर्थन नहीं किया गया है और आयातक / प्रयोक्ता उत्पादन प्रक्रिया के बारे में कोई सरोकार रखने की पात्रता नहीं रखते हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि डीएसएडीए की उत्पादन प्रक्रिया को अनिवार्यतः तीन चरणों अर्थात् सल्फोनेशन, ऑक्सीडेशन और रिडक्शन से गुजरना होता है। डी ए एस डी ए की उत्पादन प्रक्रियाओं के रूप में आयातकों / प्रयोक्ताओं द्वारा दावा की गई तीनों ही प्रक्रियाएं वास्तव में ऑक्सीडेशन प्रक्रिया की भाग हैं।
 - ii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग एक इकाई से दूसरी इकाई तक मध्यवर्ती चरण की ढुलाई के कारण अतिरिक्त व्यय वहन कर रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन के तीन चरणों अर्थात् सल्फोनेशन, ऑक्सीडेशन और रिडक्शन से होकर सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन किया जाता है । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि सम्बद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु घरेलू उद्योग की आस—पास स्थिति तीन इकाइयां हैं जहां इकाई—I और इकाई—III सल्फोनेशन और रिडक्शन चरणों में संलग्न हैं वहीं इकाई दो ऑक्सीडेशन प्रक्रिया में संलग्न है । मध्यवर्ती चरण की ढुलाई में शामिल व्यय उत्पादन लागत पर कोई खास प्रभाव डाले बिना न्यूनतम और नगण्य होता है ।
 - iii. घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है । तथापि, प्राधिकारी ने केवल सम्बद्ध वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग के निष्पादन का निर्धारण किया है ।
- 43. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ।। में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के पिरणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

मांग एवं बाजार हिस्से का निर्धारण

44. संबद्ध वस्तु की घरेलू खपत/मांग का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग एवं अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री मात्रा को भारत में हुए कुल आयातों में जोड़ दिया गया है जिसका सारांश नीचे दिया गया है :

भारत में मांग	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जन. '11-	जांच अवधि वार्षिक
					मार्च'12 (जांच	
					अवधि)	
घरेलू उद्योग की बिकी	मी.ट.	जांच अवधि वार्षिक	2,144	2,132	2,229	1,784
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिकी	मी.ट.	550	550	550	688	550
चीन (संबद्ध देश से आयात)	मी.ट.	1,030	2,252	2,613	3,344	2,675
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	491	349	1,014	338	271
कुल मांग	मी.ट.	3,863	5,294	6,310	6,599	5,279
मांग में बाजार हिस्सा						
घरेलू उद्योग की बिकी	%	46.41	40.49	33.80	33.78	33.78
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिकी	%	14.24	10.39	8.72	10.42	10.42
आयात–संबद्ध देश	%	26.65	42.53	41.42	50.67	50.67
आयात–अन्य देश	%	12.70	6.59	16.07	5.13	5.13

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और उसमें पर्याप्त वृद्धि हुई है । तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष 20.10.11 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में गिरावट आई है । आगे यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि जांच अवधि के दौरान चीन जन गण. से हुए आयातों के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है जबकि जांच अवधि में मांग में गिरावट आई थी ।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभावः

आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

46. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध—II (ii) में निम्नानुसार उपबंध है:

''पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।''

47. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :-

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जन. '11-	जांच अवधि वार्षिक
					मार्च'12	पापक
					(जांच अवधि)	
चीन से आयात	मी.ट.	1,030	2,252	2,613	3,344	2,675
घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु	मी.ट.	4,319	5,703	6,903	8,046	6,437
का उत्पादन						
निम्नलिखित की तुलना में						
चीन से आयातों का हिस्सा						
भारत में कुल आयात	%	67.73	86.59	72.05	90.81	90.81
भारत में मांग	%	26.65	42.53	41.42	50.67	50.67
घरेलू उद्योग का उत्पादन	%	23.84	39.48	37.86	41.56	41.56
घरेलू उद्योग की घरेलू बिकी	%	57.43	105.03	122.55	149.99	149.99

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयातों में समग्र रूप में और भारत में खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है जिससे प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव का संकेत मिलता है ।

आयातों का कीमत प्रभाव

48. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती । नियमावली के अनुबंध —II (ii) में निम्नानुसार उल्लेख है :

"नियम 11 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार जहां तक पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

49. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कीमत ह्वास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में निम्नानुसार की गई है :

कीमत कटौती और कम कीमत पर बिकी

कीमत कटौती

50. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की है । प्राधिकारी ने करों और शुल्कों, रिबेट, छूट और कमीशन को छोड़कर बिक्री कीमत पर विचार करते हुए निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण किया है । गणनाओं में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की केवल घरेलू बिक्री मात्रा पर विचार किया है । आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण 1 प्रतिशत उतराई प्रभार तथा लागू मूल सीमा शुल्क के साथ सी आई एफ आयात कीमत पर विचार करते हुए किया गया है । तुलना निवल बिक्री प्राप्ति और आयातों की पहुंच कीमत के बीच की गई थी । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है जिससे यह पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई कीमत कटौती सकारात्मक है ।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जन. '11- मार्च'12
					(जांच अवधि)
पहुंच कीमत	रू. / किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृति	सूचीबद्ध	100	67	73	81
निवल बिक्री कीमत	रू. / किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृति	सूचीबद्ध	100	69	68	73
कीमत कटौती	रू. / किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	10-20	10-20	0-10	0-10
(रेंज)					

कम कीमत पर बिकी

इसी प्रकार, यह निर्धारण करने के लिए कि क्या आयातों के कारण घरेलू उद्योग की क्षिति रहित कीमत से कम पर बिकी हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की क्षिति रहित कीमत के साथ की है । निम्निलिखित तालिका में दिए गए आंकड़ों से प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षिति रहित कीमत से कम है जिससे यह पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर हो रही बिकी सकारात्मक है ।

विवरण	इकाई	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	रू. / किग्रा.	***
पहुंच मूल्य	रू. / किग्रा.	***
कम कीमत पर बिकी	रू. / किग्रा.	***
कम कीमत पर बिकी	%	***
कम कीमत पर बिकी (रेंज)	%	0-10

कीमत हास / कीमत न्यूनीकरण

51. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों में ह्वास या न्यूनीकरण हो रहा है, प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों में अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत मे होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जन. '11- मार्च'12 (जांच
					अवधि)
बिक्री की लागत	रू. / किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	63	60	80
बिकी कीमत	रू. / किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	69	74
पहुंच कीमत	रू. / किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	67	73	81

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अविध के दौरान बिकी लागत और बिकी कीमत, दोनों में गिरावट आई है । इसके अलावा, बिकी कीमत में गिरावट बिकी लागत में आई गिरावट से अधिक रही थी । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अविध के दौरान बिकी कीमत में वृद्धि लागत में हुई वृद्धि से कम रही थी । इससे कीमत द्वास का पता चलता है जिससे घरेलू उद्योग जांच अविध में उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप बिकी कीमत प्राप्त करने में समर्थ नहीं रहा था । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अविध में कीमत न्यूनीकरण नहीं हुआ है ।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

- 52. नियमावली के अनुबंध—II में अपेक्षित है कि क्षित के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमावली में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिकी, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सिहत घरेलू उद्योग की स्थित पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मुल्यांकन शामिल होगा ।"
- 53. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है :

i. घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता एवं क्षमता उपयोग

घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा है :

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जन. '11- मार्च'12 (जांच	जांच अवधि वार्षिक
					अवधि)	
स्थापित क्षमता (समग्र	मी.ट.	6,600	6,600	6,600	8,250	6,600
संयंत्र)						
उत्पादन (समग्र संयंत्र)	मी.ट.	4,569	5,979	7,279	8,364	6,691
क्षमता उपयोग	%	69.23	90.60	110.29	101.38	101.38

प्राधिकारी ने ए पी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा यथानुमोदित संयंत्र की क्षमता पर विचार किया है। तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है, तथापि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में इसमें गिरावट आई है ।

ii. घरेलू उद्योग की बिकी

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जन. '11- मार्च'12 (जांच अवधि)	जांच अवधि वार्षिक
घरेलू बिकी	मी.ट.	1793	2144	2132	2229	1784
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	119	124	99

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि होने के बावजूद उक्त अवधि में घरेलू उद्योग की बिकी मात्रा में मामूली गिरावट आई है । तथापि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिकी में तेजी से गिरावट आई है ।

iii. लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

क्षति अवधि के लिए संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, बिक्री कीमत और लाभ / हानि का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जन. '11- मार्च'12 (जांच अवधि)	जांच अवधि वार्षिक
बिकी की लागत	रू. / किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	63	60	80	80
बिकी कीमत	रू. / किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	69	68	73	73
लाभ / हानि	रू. / किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	167	190	(27)	(27)
लाभ / हानि	लाख रूपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	199	226	(34)	(27)
ब्याज तथा कर पूर्व लाभ	लाख रूपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	133	145	(10)	(8)
लगाई गई पूंजी पर आय एम एफ ए आधार पर	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	169	264	(13)	(13)
कुल नकद लाभ	लाख रूपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	160	174	2	2

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लाभ, ब्याज एवं पूर्व लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय में ऋणात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है ।

iv. मालसूची

संबद्ध वस्तु की माल सूची से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं :

मालसूची	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि
अथ स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***
इति स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	29	96

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मालसूची के स्तर (औसत स्टॉक) में मामूली गिरावट आई है ।

V. <u>रोजगार एवं मजदूरी</u>

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिक
रोजगार	सं0	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	116	116	116
मजदूरी	लाख रूपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	134	181	145

उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान रोजगार और मजदूरी, दोनों में वृद्धि हुई है ।

vi. उत्पादकता

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि (वार्षिक)
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी०ट० / सं0	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	138	128
प्रति दिवस उत्पादकता	मी0ट0/ दिवस	12.34	16.29	19.72	18.39

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अविध के दौरान प्रति दिवस उत्पादन और प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में उत्पादकता में वृद्धि हुई है ।

vii. पाटन की मात्रा

उस सीमा के संकेतक के रूप में, जिस सीमा तक पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देश के खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक तथा पर्याप्त है ।

viii. वृद्धि

प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है तथापि, उत्पादन एवं बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि में गिरावट आई है और जांच अविध में लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय ऋणात्मक रही है ।

ix. निधियां जुटाने की क्षमता

याचिकाकर्ता एक बहु उत्पाद कंपनी है । अतः संबद्ध वस्तु के पाटन से कंपनी की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता प्रभावित नहीं हुई है ।

वास्तविक क्षति के बारे में निष्कर्ष

54. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयात में समग्र रूप में और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है। इसके अलावा, आयातों से कीमत हास हो रहा है। यद्यपि आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिकी मात्रा में वृद्धि हुई है, तथापि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अविध में उसमें गिरावट आई है। इसके अलावा, जांच अविध के दौरान लाभ और निवेश पर आय नकारात्मक बन गई है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयात में समग्र रूप में और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है। प्राधिकारी का यह विचार है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षित हुई है।

ज. कारणात्मक संबंध

55. पाटनरोधी नियमों के अनुसार प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर ऐसे ज्ञात कारकों की जांच करनी अपेक्षित होती है जो उसी समय घरेलू उद्योग को क्षित पहुंचा रहे हैं तािक इन अन्य कारकों से हुई क्षित का कारण पाटित आयातों को न माना जा सके । इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं, उनमें अन्य के साथ-साथ शािमल हैं : पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में कमी और खपत की पद्धित में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा घरेलू उद्योग को निर्यात निष्पादन एवं उसकी उत्पादकता । इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमों में सूचीबद्ध इन अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षिति हो सकती है । यह पाया गया था कि :-

(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

जांच अविध के दौरान संबद्ध देश से इतर देशों से पाटित वस्तु के आयातों की मात्रा नगण्य रही है । अतः अन्य देशों से हुए आयातों को घरेलू उद्योग को हुई क्षिति का कारण नहीं माना जा सकता ।

(ख) मांग में कमी और खपत की पद्धति में परिवर्तन

आधार वर्ष की तुलना में जांच अविध के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में 38 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित हुई है । खपत की पद्धित में परिवर्तन का भी कोई संकेत नहीं है ।

(ग) प्रौद्योगिकी विकास

किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में कोई खास परिवर्तन प्रदर्शित करने के लिए ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

(घ) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिपर्धा

संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है । याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तु का प्रमुख उत्पादक है और घरेलू उत्पादन तथा बिक्री में उसका एक बड़ा हिस्सा बनता है । किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्राधिकारी की जानकारी में प्रतिस्पर्धा की स्थितियों अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों का कोई अन्य साक्ष्य नहीं लाया गया है ।

(ड.) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

निम्नलिखित तालिका में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में उसके निष्पादन का सारांश दिया गया है :

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिक
निर्यात बिकी	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	138	185	234	188
माने गए निर्यात	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	283	361	355	284

यह नोट किया जाता है कि क्षति अविध के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निर्यातों और माने गए निर्यातों, दोनों में वृद्धि हुई है । प्राधिकारी ने हर हालत में केवल घरेलू उद्योग की बिकी पर विचार किया है और उसके संबंध में क्षति का निर्धारण किया है ।

(च) **घरेलू उद्योग की उत्पादकता**

आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति दिवस उत्पादन और प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है ।

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता नहीं चलता है तथापि, निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है ।

- i. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयात में समग्र रूप में और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है।
- ii. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू कीमत में कटौती हो रही है । इसके अलावा, पाटित आयातों से कम कीमत पर बिक्री पर बिक्री कीमत हास और कीमत न्यूनीतरण हो रहा है ।
- iii. यद्यपि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन की मात्रा में वृद्धि हुई है, तथापि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उसमें गिरावट आई है । इसी प्रकार, घरेलू बिक्री मात्रा (वार्षिक) में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि के बावजूद आधार वर्ष और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है ।
- iv. लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है ।
- 57. अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है ।

झ. क्षति मार्जिन की मात्रा

58. प्राधिकारी ने यथासंशोधित नियमों में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है । प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । इस प्रकार निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है :-

विवरण	मै0 हेबेई हुआ—कैम डाई कैमिकल कं0 लि0	असहयोगी निर्यातक
क्षतिरहित कीमत अम.डा./कि.ग्रा.	***	***
प्हुंच मूल्य- अम.डा. / कि.ग्रा.	***	***
क्षति मार्जिन–अम.डा. / कि.ग्रा.	***	***
क्षति मार्जिन - %	***	***
क्षति मार्जिन रेंज - %	0-10	5-15

ट. प्रकटन विवरण के पश्चात टिप्पणियां

प्रकटन विवरण के पश्चात घरेलू उद्योग की टिप्पणियां

- 59. प्रकटन विवरण के पश्चात घरेलू उद्योग से प्राप्त टिप्पणियां निम्नलिखित हैं, जिन्हें प्राधिकारी ने संगत माना है :
- क. पाटन मार्जिन प्राधिकारी द्वारा क्षतिरहित कीमत के अनुसार परिवर्तन लागत अपनाने के कारण स्पष्ट रूप से कम रहा है । पाटनरोधी नियमावली के पैरा ७ के तहत उल्लिखित प्रावधान प्राधिकारी को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए सामान्य उत्पादन लागत का इस्तेमाल करने का प्राधिकार नहीं देते। इसकी अपेक्षा प्राधिकारी को पैरा ७ के तहत सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए वास्तविक उत्पादन लागत अपनानी होती है । सामान्य मूल्य तद्नुसार निर्धारित किया जाना होता है ।
- ख. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित लागत (एनआईपी) पूर्ण रूप से भारतीय उत्पादकों के वैध हितों की रक्षा के लिए कम और अपर्याप्त है । ऐसा प्रतीत होता है कि जहां तक आबद्ध निवेश के मूल्यांकन का संबंध है, घरेलू उद्योग द्वारा बताई गई बातों पर प्राधिकारी द्वारा एनआईपी निर्धारित करते समय विचार नहीं किया गया है । प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों को ध्यान में रखते हुए एनआईपी के संबंध में पुनः विचार करें ।
- ग. उत्पाद के वैकल्पिक नामों, जैसाकि याचिका और सीमाशुल्क वर्गीकरणों में बताया गया है, का भी शुल्क तालिका में उल्लेख किया जाए ताकि कोई संभावित अडचन न आए ।

प्रकटन विवरण के पश्चात विरोधी हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियां

- 60. प्रकटन विवरण के पश्चात विरोधी हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त की गई टिप्पणियां निम्नलिखित हैं जिन्हें प्राधिकारी ने संगत माना है :
- क. पह्चं कीमत लागू शिक्षा उपकर जोड़ने के बाद निर्धारित किया जाए ।
- ख. प्राधिकारी को कीमतों में व्यापक उतार-चढ़ाव के कारण माह-वार पाटन एवं क्षति मार्जिन निर्धारित करना चाहिए ।
- ग. याचिकाकर्ता द्वारा दावा की गई अत्यधिक गोपनीयता संबद्ध देश से संबंधित सामानों के तथाकथित पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कोई तालमेल नहीं है ।
- ड. आबद्ध प्रयोग और याचिकाकर्ता द्वारा महत्वपूर्ण निर्यात से भारत में उपभोक्ताओं को डीएएसडीए की उपलब्धता प्रतिबंधित होगी ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 61. प्रकटन विवरण के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त और प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई टिप्पणियों पर नीचे विचार किया गया है :
- i. जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा की गई प्रकटन विवरण पश्चात टिप्पणियों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य एवं क्षित रहित कीमत पाटनरोधी महानिदेशालय की सतत परिपाटी एवं पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्धारित की गई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आबद्ध निवेश के मूल्य निर्धारण के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सभी बातों की प्रकटन विवरण जारी करते समय जांच की गई है और लेखा परीक्षित लेखों के अनुसार आबद्ध निवेश के मूल्य पर क्षतिरहित कीमत के निर्धारण के लिए विचार किया गया है ।
- ii. जहां तक विपक्षी इच्छुक पक्षकारों द्वारा की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियों का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ये सभी बातें मूल रूप से वही हैं जो उन्होंने पहले बताई थीं और जिनका इस निष्कर्ष के संगत पैरा में समाधान कर दिया गया है । तथापि, उन्हीं का नीचे पुनः समाधान दिया जा रहा है ।
- क. प्राधिकारी नोट करते हैं कि शिक्षा उपकर के संबंध में आयातों की पहुंच कीमत का निर्धारण करते समय विचार किया गया है ।
- ख. प्राधिकारी मानते हैं कि पिछली अवधि में उत्पाद की कीमत में केवल अंतर पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का माहवार विश्लेषण करने के लिए अपर्याप्त है ।
- ग. गोपनीय आधार पर इच्छुक पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी । संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने उन सभी जगह गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है जहां कहीं भी आवश्यक था और उस सूचना को गोपनीय माना गया है तथा उसे अन्य इच्छुक पक्षकारों को नहीं बताया गया है । जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दर्ज की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ दें । प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया ।
- घ. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति एवं पाटनयुक्त आयात के बीच आकस्मिक कारक जांच से पर्याप्त रूप से सिद्ध हुए हैं ।
- ड. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का लक्ष्य एवं उद्देश्य अनुचित व्यापार परिपाटी को रोकना तथा पाटनयुक्त आयात की तुलना में घरेलू उद्योग के लिए एक स्तरीय क्षेत्र तैयार करना है । संबंधित सामानों पर पाटनरोधी उपाय थोपने से आयात प्रतिबंधित नहीं होगा ।

ट. निष्कर्ष

62. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं किः

- i. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु ने भारतीय बाजार में संबंधित सामान्य मूल्य से कम कीमत पर प्रवेश किया है, जिसके परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तु का पाटन हुआ है;
- ii. संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्त् का पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- iii. घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है; और
- iv. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है ।

मारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

63. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं । तथापि, पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी । इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहारों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रूकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य संबंधित पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षिति समाप्त करना है तािक भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में हो । अतः पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी । उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या अधिक स्रोत रख सकते हैं ।

ड. सिफारिशें

- 64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत कर उसकी सूचना ज्ञात सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान नहीं की गई थी । पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर भी प्रदान किया गया था । पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति और उसके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और संपन्न कर तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करना अपेक्षित है ।
- 65. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं तािक घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तद्नुसार, संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तािलका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है ।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप शीर्ष/	वस्तु का विवरण**	उद्गम का	निर्यात का	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की	माप की इकाई	मुद्रा
	टैरिफ मद *		देश	देश			राशि***		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	29215990	4,4 डाइअमीनो	चीन जन.	चीन जन.	मै. हैबेई	मै. हैबेई	270	मी.ट.	अम.डा.
		स्टिलबेन 2,	गण.	गण.	हुआ—कैम	हुआ–कैम डाई			
		2—डाइसल्फोनिक			डाई कैमिकल				
		एसिड (डीएएसडीए)			कं0 लि0	लि0			
2	- वही-	- वही-	चीन जन.	चीन जन.		र्यातक (उपर्युक्त क.	460	मी.ट.	अम.डा.
			गण.	गण.		र) कोई संयोजन			
3	- वही-	- वही-	चीन जन.	चीन जन.	कोई	कोई	460	मी.ट.	अम.डा.
			गण.	गण. से					
				इतर अन्य					
				कोई देश					
4	- वही-	- वही-	चीन जन.	चीन जन.	कोई	कोई	460	मी.ट.	अम.डा.
			गण. से	गण.					
			इतर अन्य						
			कोई देश						

टिप्पणी : * संबद्ध वस्तुएं भी अन्य टैरिफ शीर्ष के तहत आयात की जा रही हैं, यथा 29214290, 29222190, 29222990, 29309099, आदि । तथापि, शीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह इस जांच के क्षेत्र पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाता ।

** विचाराधीन उत्पाद अर्थात 4.4 डाइअमीनो स्टिलबेन 2. 2—डाइसल्फोनिक एसिड (डीएएसडीए) को भी निम्नलिखित रूप में जाना जाता है ।

- 2,2'-(1, 2-एथीनेडिल)बिस (5-एमीनोबेंजनसल्फोनिक एसिड)
- ४,४ डायअमीनो स्टिलबेन २, २–डाइसल्फोनिक एसिड
- 2, 2'- एथिने-1 2-डिलबिस (5-एमीनो बेंजेन सल्फोनिक एसिड)
- एमसोनिक एसिड
- डीएसडी एसिड

***पाटनरोधी शुल्क 100% के आधार पर परिकलित संबद्ध सामानों की मात्रा पर लगाया जाएगा ।

ढ. आगे की प्रकिया

66. केन्द्र सरकार द्वारा इस आदेश को स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ कोई अपील यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd November, 2013

Final Findings

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA) originating in or exported from China PR.

No. 14/1/2012-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

A. Background of the case:

- 1. WHEREAS M/s Deepak Nitrite Ltd. (hereinafter also referred to as the domestic industry) filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and the Rules alleging dumping of 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA) (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country) and requested for initiation of anti-dumping investigation for levy of anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating or exported from the subject country.
- 2. AND WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the applicant issued a public notice vide No. 14/1/2012-DGAD dated 26th July, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject good, originating in or exported from the subject country, in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed:

- i. The Authority notified the embassy of the subject country in India about the receipt of the application in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules.
- ii. Copy of the initiation notification was sent to the known exporters from the subject country, known importers and other interested parties and the domestic industry along with relevant questionnaires, etc. The known interested parties were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within prescribed time limit.
- iii. Copy of the initiation notification was sent to the embassy of the subject country in India along with copy of the letter and the enclosures addressed to the known exporters of the subject goods in the subject country.
- iv. Copy of the non-confidential version of the application filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra.
- v. Copy of the non-confidential version of the application filed by the domestic industry was also made available to the interested parties along with the relevant non-confidential version of the information/documents received from various interested parties in the form of a public file
- vi. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - Shanxi Xiangyu Chemical Co. Ltd.
 Fengxi Industry Zone, Linye County, China PR. PC: 044100
 - b. HeBei HengShui DongGang Chemical Co. Ltd., East Daqing Road, Hengshui, China PR - 053000
 - C. Hebei Hua-Chem Group South DongGuang County, HeBei, China PR 061600
 - d. HengShui Jingheng Chemical Products Co. Ltd.13 M.YuHua Road., HengShui City, HeBei, China PR.
 - e. Botou Tianhe Chemical Co. Ltd, 171 Nankang Street, Botou City, Hebei Province, China PR.
 - f. Yanshi Dongyuan Chemical Co Ltd, Dongdajiao Industrial Zone, Dianzhuang, Yanshi, Luoyang, Henan Province, Chuina PR.
- vii. In response to the initiation notification, M/s Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd., Da Zhang Town, South Dongguang County, Hebei, China PR responded by filing the exporters questionnaire response.
- viii. Questionnaires were also sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - Daikaffil Chemicals
 - Khyati Chemicals Pvt. Ltd.
 - Pranav Chemicals
 - Pragna Dye Chem
 - Jaysree Chemicals
 - J.B.Industries
 - Raghunath Dye Chem
 - Paramount Minerals & Chemicals Ltd
 - Aishwarya Chemicals
 - BASF India Ltd
 - Hind Prakash International Ltd
 - Itachem International

- Anil Organics
- Clariant Chemicals (India) Ltd
- Paramount Minerals
- CAMEX Ltd
- Sanjay Sales Corporation
- Modern Chemicals
- The Dyestuffs Manufacturers Association of India
- BASF, The Chemical Company
- Eskay Dyestuffs & Organic Chemicals Pvt Ltd
- The Gujarat Dyestuffs Manufacturers Association
- Meghmani Dyes & Intermediates Ltd
- ix. In response to the initiation notification, the following importers have responded by filing importers questionnaire response:
 - M/s Clariant Chemicals (India) Ltd
 - Khyati Chemicals Pvt. Ltd
 - BASF India Ltd
 - Eskay Dyestuffs & Organic Chemicals Pvt Ltd
 - Paramount Minerals & Chemicals Ltd
 - Sanjay Sales Corporation
 - Daikaffil Chemicals India Ltd
- x. Submissions have been made by the following importers/users and other opposing interested parties:
 - The Dyestuffs Manufacturers Association of India
 - Khyati Chemicals Pvt. Ltd
 - BASF India Ltd
 - Eskay Dyestuffs & Organic Chemicals Pvt Ltd
 - Paramount Minerals & Chemicals Ltd
 - Meghmani Dyes & Intermediates Ltd
 - Daikaffil Chemicals
 - All India Whiteners Manufacturers Association
 - Sanjay Sales Corporation
 - Whitex Chemicals
 - Raghunath Dve Chem
 - Vidaja Chemical Pvt Ltd
 - Delta Hydrocarbons
 - Varahi Chemicals
- xi. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- xii. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the AD Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;
- xiii. A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to all the known exporters and embassy of China PR with a request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time. While for the purpose of initiation the normal value

in China PR was considered based on the cost of production of the subject goods in India, duly adjusted, the Authority informed known exporters that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti-Dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment can be granted to cooperative exporters/ producers.

- xiv. The respondent producer/exporter from China PR M/s Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd has not claimed market economy treatment.
- xv. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the injury period including POI.
- xvi. The Authority has relied upon the DGCI&S data in the present findings.
- xvii. The period of investigation (POI) proposed by the applicant was 1st January 2011 to 31st December 2011 (12 months). However, for enabling the Authority to make required analysis on the basis of more updated data, the Authority hereby determined the POI as 1st January 2011 to 31st March 2012 (15 months). The injury investigation period however covers the periods April 2008-March 2009, April 2009-March 2010, April 2010-March 2011 and the POI.
- xviii. The Authority held oral hearings on 10.06.2013 to hear the interested parties, which were attended by representatives of interested parties and the written submissions and rejoinder submissions made by the interested parties have been examined and addressed in this final finding to the extent considered relevant by the Authority.
- xix. The Department of Revenue vide their Office Memorandum No. 354/141/2013-TRU dated 30th July, 2013 allowed extension of time up to 25th November, 2013 for completing the investigation and notifying the final findings.
- xx. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry.
- xxi. The essential facts of the investigation were disclosed to the interested parties vide disclosure statement dated 11th November, 2013 and the submissions made by the interested parties during the course of the investigation, including post-disclosure comments, to the extent considered relevant by the Authority, have been addressed in this finding;
- xxii. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiii. The exchange rate has been taken by the Authority as Rs.47.66 = 1 US\$ for the POI.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

Submissions by the Domestic Industry

- 4. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to product under consideration (PUC) and like article:
 - The product under consideration in the present petition is 4,4 Diamino Stillbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA), referred to as DASDA in the present petition.

- ii. DASDA is also known as 2, 2'- (1, 2- Ethylenediyl) bis (5-aminobenzenesulfonic acid), 4, 4'-Diaminostilbene- 2, 2'-Disulfonic Acid, 2, 2'-ethene-1, 2-diylbis (5- amino benzene sulfonic acid), Amsonic Acid and DSD Acid.
- iii. DASDA is a light yellow color powder/cream, which is used in synthesis of dye stuffs, like optical brightening agents, fluorescent brightening agents, etc. It mainly functions as a chemical intermediate for manufacturing optical brightening agent. It may also be used in pesticides.
- iv. There is only one known grade of product under consideration. However, the product may be supplied in different concentrations, such as 95% or 98%, based on the requirements of the consumer.
- v. The product is typically sold on the basis of weight (Kilograms), typically packed in woven bags.
- vi. DASDA is classified under residual category under the Customs Tariff classification Heading 29215990. The subject goods are also being imported under a number of other tariff headings.

Submissions by Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties

5. No relevant submission has been made by the other interested parties in this regard.

Examination by the Authority

- 6. The product under consideration in the present investigation is 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (also referred to as DASDA). It is also known as 2, 2'- (1, 2- Ethylenediyl) bis (5-aminobenzenesulfonic acid), 4, 4'-Diaminostilbene- 2, 2'-Disulfonic Acid, 2, 2'-ethene-1, 2-diylbis (5-amino benzene sulfonic acid), Amsonic Acid and DSD Acid. DASDA is a light yellow color powder/cream, which is used in synthesis of dye stuffs, like optical brightening agents, fluorescent brightening agents, etc. The subject goods are classified under chapter heading 29215990, although reportedly being imported under a number of other tariff headings such as 29214290, 29222190, 293222990, 29309099, etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.
- 7. The domestic industry has claimed that the subject goods imported from the subject country are like articles to the subject goods produced by the domestic industry. As claimed by the domestic industry, there is only one known grade of product under consideration. However, the product may be supplied in different concentrations, such as 95% or 98%, based on the requirements of the consumer. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or enduses of the dumped imports and the domestically produced subject goods and the product under consideration manufactured by the applicant. The two are technically and commercially substitutable and hence be treated as 'like article' under the Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the applicant in India are being treated as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject countries.
- 8. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under:
 - "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.
- 9. The petitioner has claimed that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject country. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from the subject country are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and

technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods. The respondent exporter has also admitted that there is no difference in physical parameters, manufacturing, technical or chemical characteristics between the subject goods produced by the domestic industry and exported by them and subject goods sold in their home market and exported to other countries including India are identical and can be compared.

10. No argument has been received from any interested party on the scope of product under consideration or like article. Examination of the product and import data submitted by the applicant indicates that there is no difference between subject goods produced by the Domestic Industry and imported from China. In view of the similarity in manufacturing process and substitutability, the Authority holds that the two are required to be treated as alike and one product for the purpose of defining the 'product under consideration' in this case.

D. STANDING AND SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY

Submissions by the Domestic Industry

11. The domestic industry has not imported DASDA during the period of investigation. The Petitioner is the major producer of product under consideration. The production of subject goods by the petitioner constitutes a major proportion in Indian production and therefore, satisfies the requirement of standing under the Rules.

Submissions by Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties

12. Domestic industry has used imported Crude DASDA as the raw material in the production of DASDA. It is submitted that the Crude DASDA is nothing but DASDA only. The Authority may examine the issue of standing in the light of import of Crude DASDA by the petitioner during the POI.

Examination by the Authority

- 13. On the basis of verified data the Authority notes that the domestic industry has not imported crude DASDA during the POI.
- 14. The application has been filed by M/s Deepak Nitrite Ltd. on behalf of the domestic industry. As per the evidence available on record, the applicant accounts for a major proportion of the total domestic production of the subject goods constituting more than 90% of Indian production. Apart from Deepak Nitrite Ltd, M/s J. B. Chemicals, M/s. Pranav Chemicals and M/s. Aishwarya Chemicals are reportedly producers of the subject goods as well. On the basis of available information, the Authority notes that M/s Deepak Nitrite Ltd constitutes a major proportion in Indian production. Moreover, no argument has been received from any interested party disputing the standing and scope of M/s Deepak Nitrite Ltd as the domestic industry under the Rules. The Authority, therefore, determines that M/s Deepak Nitrite Ltd constitutes domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

E. Confidentiality

Submissions by the Domestic Industry

15. The domestic industry has submitted that they have provided non confidential version of the petition considering the information that is publicly available and wherever actual information could not be provided, indexed information has been provided.

Submissions by Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties

16. The opposing interested parties have contended that the domestic industry has claimed excessive confidentiality in their petition.

Examination by the Authority

17. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

- (2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.
- (3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.
- 18. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

F. Miscellaneous submissions

Submissions by the Domestic Industry

- 19. The following are the miscellaneous submissions made by the domestic industry:
 - i. Petitioner has provided all relevant information which has been verified by the Authority.
 - ii. Inability of the domestic industry to meet the domestic demand does not bar domestic industry from seeking protection under the Rules.
 - iii. There is no basis for the argument that anti dumping duty will not be in public interest. As the authority has repeatedly held, imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.
 - iV. Production of FBA scheduled by petitioner would in no way affect the availability of the DASDA in the local market. The company has a capacity of 7800 MT for DASDA. Its captive requirement shall only be 1000 MT in the current year and 2000 MT at full scale of FBA production. The company is presently exporting to the extent of 3500 MT which is clearly a force measure in view of inability of the company to sell in domestic market to the extent of production. Further, the current production itself is lower than by about 1000 MT. Thus, even after considering full captive requirements, the company shall have a capacity of 5800 MT for sale in the domestic market. A capacity of about 1000 MT exists with other domestic producers. The demand for the product under consideration so far has peaked to 6500 MT. Thus, as against established demand of 6500 MT, the available capacities shall be 6800 MT i.e. sufficient to meet the demand of the product in the country.

V. Deemed exports are relevant to be considered with regard to price undercutting. In fact, the exporter agreed at the time of hearing that duty free imports and deemed exports sales by domestic industry could impact price undercutting.

Submissions by Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties

- 20. The following are the miscellaneous submissions made by the Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties:
 - i) Application filed by the petitioner is grossly erroneous and insufficient to justify initiation of the investigation. Information/data not objectively examined prior to initiation.
 - ii) Due to monopoly of the petitioner, the small scale industries are suffering and may face closure. The anti-dumping measures may enable multinational companies and big corporates monopolistic benefits, leading to the closure of small and medium enterprises.
 - iii) The supply of DASDA is less than the domestic demand, thereby necessitating imports. The OBA project of Deepak Nitrite will further aggravate the supply position of DASDA in the country. Users of DASDA are small scale industry and any imposition of duty will impact the SMEs. The demand for ADD on DASDA is to strategically finish other dyestuff/OBA producers. Due to the OBA project of the petitioner, other OBA producers wouldn't get DASDA at competitive rates and there can be demand supply gap as the priority of the petitioner would be to cater to its captive requirements and exports.
 - iv) It would be unfair and unjust to impose anti-dumping duty based on a period of investigation which is over 2 and ½ years old and not relevant to the present economic condition. Therefore, the authority should review the matter taking a fresh period of investigation.
 - v) The deemed exports claimed by the domestic industry is nothing else but deemed exports as per Chapter 8 of FTP. Domestic industry has supplied to EOU unit and such supplies can't be considered as domestic sales. This may be taken into account by the Authority while calculating price undercutting.

Examination by the Authority

- 21. The Authority has initiated the subject investigation after being satisfied prima facie regarding evidence of dumping of the subject goods originating in or exported from China PR and injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury. Moreover, the Authority has verified the information submitted by domestic industry during the course of investigation.
- 22. The Authority notes that the objective and purpose of imposing anti-dumping duty is to prevent unfair trade practice and to create a level playing field for the domestic industry vis-a-vis dumped imports under the aegis of WTO and not to promote monopolization of trade by any interested party. The Authority further notes that Anti-dumping Rules do not require that the Applicant must be able to fulfill demand in India to the fullest extent and have adequate capacity to this end, before seeking redressal of injury caused to it on account of dumping.
- 23. It is an acknowledged fact that Deepak Nitrite Ltd, is in the process of setting up a production facility for Fluorescent Brightening Agents (FBA) at Dahej Gujarat. However, as clarified by the domestic industry during verification, adequate volume of subject goods will be available for domestic market despite their FBA project.
- 24. As regards the submission that the authority should review the matter taking a fresh period of investigation since the POI of the present investigation is out dated and the economic conditions have undergone changes, the Authority notes that the subject anti-dumping investigation was initiated on 26th July, 2012 taking the most recent period as the period of investigation. Therefore the POI of the present anti-dumping investigation cannot be called as outdated. Further, any development beyond the period of investigation is a matter of review under the Rules.

25. The Authority has not considered the deemed exports made by the domestic industry as part of the domestic sales and calculated the price undercutting accordingly.

G. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Submissions by the Domestic Industry

- 26. Submissions by the domestic industry are briefly as follows:
- (a) China should be treated as non-market economy country for the following reasons:
 - i. Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity.
 - ii. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
 - iii. Production of the product requires power and fuel as a major item of utility. It must be established by the exporters that the price of utilities reflect fair market values.
 - iv. Market economy status cannot be given unless the responding exporters establish that their books are audited in line with international accounting standards:
 - v. Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied.
 - vi. It is not for the domestic industry or Authority to establish that the responding companies are indeed operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. It is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
 - vii. In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless the process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- (b) Export price can be established on the basis of information provided. The export price must be adjusted for expenses such as ocean freight, marine insurance, commission, bank charge, port & handling charges and adjustment for VAT refund to determine ex-factory export price.
- (c) While working out the landed price of import education cess is not required to be added to the landed price of imports nor the application proforma provide for the same.
- (d) It needs to be substantiated that both normal value and costs varied significantly in order to justify a month by month comparison.

Submissions by Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties

- 27. The following are the submissions made by the producers/ exporters/ importers/users/other interested parties:
 - i. Petitioner has not taken in to account the educational cess while calculating the landed price.
 - ii. The landed price from the subject country has declined from 100 in the base year to 87 during the POI.
 - iii. The domestic sales price of the respondent exporter should be considered for normal value as the domestic sales is patently sufficient enough to be compared with the Indian export.
 - iv. Considering the fluctuation in price of the product, normal value, export price and dumping margin may be determined on month wise in the present case.

Examination by the Authority

- 28. The Authority notes that education cess has been considered in working out the landed price of imports.
- 29. The Authority notes that mere variation in price of the product over the period is insufficient to undertake a month wise analysis of dumping margin and injury margin.
- 30. As regards the submission that the domestic sales price of the respondent exporter should be considered for normal value, the Authority holds that China being Non market economy, the domestic price cannot be relied upon as being reflective of market price. Moreover, respondent exporter from China has not claimed market economy treatment.
- 31. The Authority, notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by India and other WTO Members. Therefore, in terms of para 8(2) of the annexure 1 of Anti-dumping Rules, China PR has been treated as a non-market economy country, subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
- 32. As per Paragraph 8, Annexure I to the Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence, as mentioned in subparagraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire, to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:
 - a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and,
 - d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 33. The Authority notes that M/s Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd is the only company from China PR which has filed exporter's questionnaire response in the present investigation. But, the company has not claimed market economy treatment by filing the required questionnaire response. The Authority further notes that none of the other producers and exporters of the subject goods from the subject country has submitted the exporter's questionnaire response and market economy questionnaire response, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. In view of the above position and in absence of rebuttal of non-market economy presumption by the respondent Chinese company, the Authority considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value in case of China PR.

G.1 Determination of Normal value

34. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

- 35. The Authority indicated in the initiation notification that the petitioner has claimed the constructed normal value in case of China PR on the basis of cost of production in India duly adjusted including adjustment on selling, general & administrative expenses and profit, in terms of Para 7 of Annexure I to the Rules. However, none of the interested parties, including the applicants and Chinese producers has placed any material fact before the Authority to select an appropriate market economy third country for the purpose. The domestic industry has submitted that India should be treated as an appropriate surrogate country for China in this matter and the normal value should be determined accordingly. None of the opposing parties has disputed the claim of the domestic industry.
- 36. The Authority has determined the normal value in China PR on facts available basis, in terms of para 7 of Annexure 1 to the Anti-dumping Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all exporters from China PR has been constructed by taking into account the international price of the major input viz. Para Nitro Toluene and the price at which domestic industry has sourced the other raw materials. Further, the consumption norms, conversion cost and SGA expenses of the domestic industry have been adopted. After adding a reasonable profit margin of 5%, the Authority has constructed normal value for all producers/exporters of China PR as US\$ ***/Kg.

G.2 EXPORT PRICE

M/s Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd, China PR

37. The Authority notes that only M/s Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd, China PR has responded in the form and manner prescribed and have furnished the requisite information to determine the net export price. The Authority notes from the Appendix-2 of the Exporter's Questionnaire response filed by the concerned producer/exporter that it had reported *** transactions involving export of *** MT of the subject goods to India during POI at an average CIF price of US\$ *** per Kg. The Authority made adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, commission, port expenses, inland freight, bank charges, credit cost and VAT adjustment @ 4%, as claimed by the exporter in their response to the questionnaire in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level for M/s Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd, China PR has been determined as US\$ ***/Kg.

NON-COOPERATIVE EXPORTERS

38. In respect of non-cooperating exporters, the lowest import price based on the data of co-operating exporters has been taken into account. Adjustments like ocean freight etc. has been allowed at par with the ones allowed in co-operating exporters as above for arriving at export price at ex-factory level. By adopting this method the export price at ex-factory level in respect of non-cooperating exporters for subject goods has been determined as US\$ *** per kg.

G.3 **DUMPING MARGIN**

39. Comparing the normal value and export prices as determined in the preceding paragraphs, the dumping margin has been determined by the Authority as follows:

Particulars	M/s Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd.	Non-Cooperative exporters
Normal Value - US\$/Kg	***	***
Export price - US\$/Kg	***	***
Dumping Margin - US\$/Kg	***	***
Dumping Margin - %	***	***
Dumping Margin Range - %	15-25	20-30

H METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Injury Determination

Submissions by Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties

- 40. The following are the injury related submissions made by the Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties:
 - i. The petitioner has claimed positive price undercutting during January, 2011 to December, 2011 while there is negative price undercutting during the said period.
 - ii. When PUC production is included in the plant production, it is not possible to have a lower plant production.
 - iii. No evidence has been provided by the petitioner as regards consumption factor of raw material, utility, etc.
 - IV. There are three processes of production of DASDA i.e. Hypo Chloride Process, Air Oxidation Process and Ammonia Oxidation Process. The Authority should examine the cost difference of the production of the subject goods due to the three different processes.
 - V. There is negative price undercutting during the POI meaning thereby that the landed price is higher than the NSR.
 - vi. Plant capacity utilization improved by 86% during the POI, meaning thereby absence of injury.
 - Vii. During the process of production of the subject goods, two intermediate products i.e. DNDSA and PNTSA, which are tradable, are produced. The apportionment and allocation of cost need to be checked up.
 - Viii. No reason given in the petition for the decline of the Petitioners' export market during the POI as compared to their domestic sales.
 - ix. Significant increase in the wages during the POI as compared to 2010-11.
 - X. The petitioner has suffered injury due to its own inefficiencies and not due to dumping of the subject goods from the subject countries.
 - Xi. The petitioner is having three units in three different places for manufacturing the subject goods. Unit 1 and 3 are related to manufacturing of the first stage production i.e. PNTSA and transported to Unit 2 for Oxidation purpose and from where they get the product called DNSDA and again transported back to respective units 1 and 3. The cost of production of the petitioner is high as compared to foreign producers because

of transport cost involved in intermediate stages of production. Therefore, higher amount of transport cost should be removed from the injury examination to ensure fair analysis.

- Xii. There is no injury to the petitioner as the company is in profit for the last 10 years and venturing into manufacturing Optical Brightening Agents (OBA).
- XIII. No Material Injury to the Domestic Industry in respect of capacity utilization, production, sales volume, inventory, employment and wages.
- XiV. The movement in selling price of subject goods in the export market and domestic market shows similar trend during the injury period. In fact selling price of subject goods of petitioner in export market has declined more than domestic market. Thus no causal link is established.
- XV. Imports from China are not creating any adverse price effects on the domestic industry. The domestic industry is passing on the increase in cost to customers however the domestic industry is selling at lower rates under export benefit schemes. Thus, import from China hasn't created any adverse price effects on the domestic industry.
- XVI. The landed prices of imports from the subject country have been higher in comparison to domestic selling prices of the domestic industry during POI and hence imports were not undercutting the prices of the domestic industry.
- XVII. The plea of the domestic industry that the company is a multi- product company and hence the profitability in the annual report is irrelevant is incorrect.

Submissions by the Domestic Industry

- 41. The following are the injury related submissions made by the domestic industry:
 - The petitioner has determined the price undercutting after bifurcating its sales realization of both domestic sales and deemed export sales. The price undercutting is positive in both the cases.
 - ii. There is a typographical error in the figure of "plant production" in the petition.
 - iii. The achievable capacity of DASDA plant is 7,800 MT per annum.
 - iv. There is no requirement for providing transaction wise import data in the application proforma.
 - v. Technology is different from the process. Merely because different processes are involved does not mean the different technologies are involved. Moreover, the difference in process is entirely irrelevant unless it is demonstrated that different processes have different cost.
 - vi. Contention of interested parties that there is no material injury is unfounded.
 - vii. The contention that higher amount of transport cost should be removed from the injury examination to ensure fair analysis is not correct. There is no change in the operating structure of the petitioner over the injury period. Thus, the deterioration in profits is not on account of the transport cost involved.
 - viii. Selling price of subject goods of the petitioner in export market has declined more than domestic market as the petitioner is facing dumping of the product under consideration in its exports as well. The petitioner is exporting the product to Argentina, Brazil, Germany, Italy,

- Japan, Korea, Pakistan, Spain, Switzerland, Taiwan and USA. The goods are being supplied by Chinese manufacturers in all these markets.
- ix. Domestic industry has suffered material injury as a result of dumping of the subject goods from China PR.
- x. Petitioner is a multi-product company and therefore profit of the company for various products is entirely irrelevant for the product under consideration.
- xi. The petitioner is forced to match the prices offered by Chinese producers in order to get orders from domestic consumers.
- xii. The adverse price effect of dumped imports on the domestic industry is significant as the import has increased substantially in absolute terms, in relation to production and consumption in India, imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry, the landed price of imports is significantly below the cost of production and non-injurious price of the domestic industry, imports are suppressing the domestic prices and imports are resulting in significant price underselling.
- xiii. Performance of the domestic industry has deteriorated in terms of profits, return on investments, cash flow and market share, production, sales volumes and productivity. Moreover, while market share of the imports from the subject country increased significantly during the POI, as a direct consequence, the market share of the domestic industry declined, thus establishing causal link.

Examination by the Authority

- 42. The Authority has taken note of the arguments and counter-arguments of the interested parties on injury. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties. However, the specific submissions made by the interested parties are addressed by the Authority as below:
 - i) As regards the contention of the importers/users that there are three processes of production of DASDA i.e. Hypo Chloride Process, Air Oxidation Process and Ammonia Oxidation Process, the Authority notes that the response filed by the cooperating producer/exporter from the subject country does not support this contention and importers/users are not qualified as such to raise any concerning production process. The Authority further notes that the process of production of DASDA has to necessarily go through three phases i.e. Sulfonation, Oxidation and Reduction. The three processes claimed by the importers/users as the processes of production of DASDA are actually the part of Oxidation process.
 - ii) As regards the contention that the domestic industry is bearing extra expenditure due to intermediate stage transportation from one unit to another unit, the Authority notes that the subject goods are produced through three phases of production i.e. sulphonation, oxidation and reduction. The Authority further notes that the domestic industry has three closely situated units for manufacturing the subject goods. While Unit-I and Unit-III are engaged in sulphonation and Reduction phases, the unit two is engaged in oxidation process. The expenditure involved in the intermediate stages transportation is minimal and negligible without having any substantial impact on cost of production.
 - iii) Domestic industry is a multi Product Company. The Authority has however assessed the performance of the domestic industry with regard to the subject goods only.
- 43. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative

to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

Assessment of Demand and market share

44. For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the subject goods, the sales volume of domestic industry and other Indian producers have been added to the total imports into India and the same has been summarized below:

Demand in India	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	Jan'11- Mar'12 (POI)	POI Annualised
Domestic Industry Sales	MT	1,793	2,144	2,132	2,229	1,784
Other Indian Producers' Sales	MT	550	550	550	688	550
Imports from China (Subject Country)	MT	1,030	2,252	2,613	3,344	2,675
Imports from other countries	MT	491	349	1,014	338	271
Total Demand	MT	3,863	5,294	6,310	6,599	5,279
Market Share In Demand						
Domestic Industry Sales	%	46.41	40.49	33.80	33.78	33.78
Other Indian Producer Sales	%	14.24	10.39	8.72	10.42	10.42
Imports- Subject Country	%	26.65	42.53	41.42	50.67	50.67
Imports-Other Countries	%	12.70	6.59	16.07	5.13	5.13

45. The Authority notes that the demand has shown a positive trend and increased significantly during POI as compared to the base year. However, there is a decline in demand in the POI as compared to immediate preceding year 2010-11. It is further noted that the market share of the domestic industry has declined during POI as compared to base year; whereas the market share of imports from China PR has increased significantly during POI even when the demand declined in the POI.

Volume Effects of Dumped Imports: Import Volumes and Market Share

- 46. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti- dumping rules provides as under: "While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India".
- 47. The volume of imports of the subject goods from the subject country has been analyzed as under:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	Jan'11- Mar'12 (POI)	POI Annualised
Imports from China	MT	1,030	2,252	2,613	3,344	2,675
Production of subject goods by the domestic Industry	MT	4,319	5,703	6,903	8,046	6,437
Share of China Imports in relation to						
Total imports in India	%	67.73	86.59	72.05	90.81	90.81
Demand in India	%	26.65	42.53	41.42	50.67	50.67

Production of domestic industry	%	23.84	39.48	37.86	41.56	41.56
Domestic Sales of	%	57.43	105.03	122.55	149.99	149.99
domestic industry						

The Authority notes that imports from subject country have increased in absolute terms and also in relation to production and consumption in India, thereby signifying adverse volume effect.

Price effect of imports

48. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree. Annexure II (ii) of the Rules states as under:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 11 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

49. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any as below:

Price Undercutting & Underselling

Price Undercutting

50. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. The Authority has determined net sales realization considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions. The Authority has considered only the domestic sales volumes of the domestic industry in the calculations. Landed price of imports has been determined considering CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. The comparison was done between net sales realization and the landed price of imports. The Authority notes that the landed price of the subject goods is less than the selling price of the domestic industry which shows that the price undercutting being caused by the dumped imports from the subject country is positive.

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	Jan'11- Mar'12 (POI)
Landed Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	67	73	81
Net Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	69	68	73
Price Undercutting	Rs/Kg	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting (Range)	%	10-20	10-20	0-10	0-10

Price Underselling

Similarly, in order to determine whether the imports are underselling the non-injurious price of the domestic industry, the Authority has compared the landed price of imports with the non-injurious price of the domestic industry. The Authority notes from the data provided in the following table that the landed price of the subject goods is less than the non-injurious price of the domestic industry which shows that price underselling being caused by the dumped imports from the subject country is positive.

Particulars	Unit	POI
Non injurious price of the domestic industry	Rs./Kg	***
Landed value	Rs./Kg	***
Price Underselling	Rs./Kg	***
Price Underselling	%	***
Price Underselling (Range)	%	0-10

Price suppression/depression

51. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices, the Authority determined whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	Jan'11- Mar'12 (POI)
Cost of Sales	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	63	60	80
Selling price	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	68	69	74
Landed Price	Rs/kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	67	73	81

The Authority notes that during the POI, both cost of sales as well as selling price have declined as compared to the base year. Further, the decrease in selling price was more than the decrease in cost of sales. The Authority further notes that the increase in the selling price in POI was less than the increase in the cost of sales as compared to the preceding year. This indicates price suppression whereby the domestic industry was not able to realize the selling price commensurate with increase in the cost of production in POI. The Authority further notes that there is a price depression in POI as compared to the base year.

Economic parameters of the domestic industry

- 52. Annexure II to the Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
- 53. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below.

i. <u>Production, capacity and capacity utilization of the Domestic Industry</u>

Capacity, production and capacity utilization of the domestic industry have been as under:-

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	Jan'11- Mar'12 (POI)	POI Annualised
Installed capacity (Plant as a whole)	MT	6,600	6,600	6,600	8,250	6,600

Production (Plant as a whole)	MT	4,569	5,979	7,279	8,364	6,691
Capacity Utilization	%	69.23	90.60	110.29	101.38	101.38

The Authority has considered the capacity of the plant as approved by the AP State Pollution Control Board. The Authority notes that while the production of the domestic industry has increased in POI as compared to the base year, the same has decreased as compared to the preceding year.

ii. Sales of Domestic Industry

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	Jan'11- Mar'12 (POI)	POI Annualised
Domestic Sales	MT	1793	2144	2132	2229	1784
Trend	Index	100	120	119	124	99

The Authority notes that sales volume of domestic industry has marginally decreased in POI as compared to the base year in spite of increase in the demand during the said period. However, the sales have declined sharply in POI as compared to the previous year

iii. Profits, return on investment and cash profit

The cost of production, selling price and profit/loss of the domestic industry in respect of the domestic sales of the subject goods for the injury period is given in the following table:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	Jan'11- Mar'12 (POI)	POI Annualised
Cost of Sales	Rs/KG	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	63	60	80	80
Selling Price	Rs/KG	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	69	68	73	73
Profit/loss	Rs/KG	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	167	190	(27)	(27)
Profit/loss	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	199	226	(34)	(27)
Profit before interest and tax	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	133	145	(10)	(8)
Return on capital employed-NFA basis	%	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	169	264	(13)	(13)
Total Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	160	174	2	2

The Authority notes that profits, profit before interest and tax, cash profit and return on investment show negative trend during POI as compared to the base year as well as the preceding year.

iv. Inventories

The data relating to inventory of the subject goods is shown in the following table:

Inventories	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average stock	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	95	29	96

The Authority notes that inventory level (average stock) has marginally declined during POI as compared to the base year.

v. **Employment and Wages**:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualised
Employment	Nos	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	115	116	116	116
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	108	134	181	145

From the above table, it is noted that both employment and wages have increased during the POI.

vi. **Productivity**

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
					(Annualised)
Productivity per employee	MT/Nos.	***	***	***	***
Trend	Index	100	115	138	128
Productivity per day	MT/day	12.34	16.29	19.72	18.39

The Authority notes that productivity in terms of production per day and production per employee in POI has increased as compared to the base year.

vii. Magnitude of Dumping

Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject country for the POI is above de minimis and significant.

viii. Growth

The Authority notes that while there has been substantial growth in the import volumes of the subject goods from the subject country, the growth of the domestic industry in terms of production and sales has declined and the growth in profit, cash profit and return on investment has been negative in POI.

ix. Ability to raise funds

The petitioner is a multi-product company. Dumping of the subject goods has, therefore, not affected the ability of the company to raise capital.

Conclusion on material injury

54. In view of the above, the Authority concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject country have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India. The imports of the subject goods from the subject country are undercutting the prices of domestic industry. Further, the imports are causing price suppression. Though there has been increase in production and sales volume of the domestic industry as compared to the base year; the same has declined in the POI as compared to immediate preceding year. Further, profit and return on investment became negative during the POI. In view of the above, the Authority is of the view that the domestic industry has suffered material injury.

H. Causal Link

55. As per the Anti-dumping Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Anti-dumping Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found that:-

(a) Volume and prices of imports from third countries

During the POI, imports of the subject goods from countries other than the subject country have been insignificant in volume. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

(b) Contraction in demand and change in pattern of consumption

Demand for the subject goods has shown a growth of 38% during POI as compared to the base year. There is also no indication of any change in the consumption pattern.

(c) Developments in technology

None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.

(d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

The subject goods are freely importable. The petitioner is the major producer of the subject goods and account for significant domestic production and sales. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the attention of the Authority by any interested party.

(e) Export performance of the domestic industry

The table below summarizes the performance of the domestic industry in respect of exports made by them.

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualised
Exports Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	138	185	234	188

Deemed exports	MT	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	283	361	355	284

It is noted that both the exports and the deemed exports by the petitioner have increased over the injury period. The Authority in any case has determined and considered the injury in respect of domestic sales only.

(f) Productivity of the Domestic Industry

Productivity of the domestic industry in terms of production per day and production per employee has improved in POI as compared to the base year.

- 56. The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.
 - The dumped imports of the subject goods from the subject country have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India.
 - ii. The imports of the subject goods from the subject country are undercutting the prices of domestic industry. Further, the dumped imports are causing price underselling, price suppression as well as price depression.
 - iii. Though there has been increase in production volume of the domestic industry in POI as compared to base year; the same has declined in the POI as compared to immediate preceding year. Similarly, the volume of domestic sales in POI (annualised) has declined as compared to base year as well as preceding year in spite of increase in demand for the subject goods.
 - iv. Performance of the domestic industry with regard to profits, cash flow and return on investments deteriorated.
- 57. Thus the Authority concludes that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports.

I. Magnitude of injury margin

58. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules, as amended. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject country. The injury margin thus determined is as under:-

Particulars	M/s Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd.	Non-Cooperative exporters
Non-injurious price US\$/Kg	***	***
Landed value - US\$/Kg	***	***
Injury Margin - US\$/Kg	***	***
Injury Margin - %	***	***
Injury Margin Range - %	0-10	5-15

J. <u>Post-Disclosure Comments</u> <u>Post-disclosure comments by the domestic industry</u>

59. The following are the post-disclosure comments received from the domestic industry considered relevant by the Authority:

- a. The dumping margin has remained low apparently due to adoption of conversion cost as per NIP by the Authority. The provisions under Para-7 of the AD Rules do not authorize the authority to use normated cost of production for determination of normal value. The authority is rather required to adopt actual cost of production for determination of normal value under Para-7. The normal value is required to be determined accordingly.
- b. The non-injurious price (NIP) determined by the authority is grossly low and insufficient to protect legitimate interests of Indian producers. The submissions made by the domestic industry as regards valuation of captive input do not seem to have been considered by the Authority while determining the NIP. The Authority is requested to reconsider the NIP by taking the submissions of the domestic industry in to account.
- c. The alternative names of the product as stated in the petition and customs classifications may also be mentioned in the duty table to avoid possible circumvention.

Post-disclosure comments by the opposite interested parties

- 60. The following are the post-disclosure comments received from the opposite interested parties considered relevant by the Authority:
 - a. The landed price should be determined after adding applicable education cess.
 - b. The authority should determine dumping and injury margin month wise due to wide fluctuation in the prices.
 - c. Excessive confidentiality claimed by the petitioner.
 - d. There is no nexus between injury suffered by the domestic industry and alleged dumping of the subject goods from the subject country.
 - e. Captive uses and significant exports by the petitioner would restrict the availability of DASDA to consumers in India.

Examination by the Authority

- 61. The post-disclosure comments received from the interested parties, considered relevant by the Authority, are addressed as below:
 - i. As regards the post-disclosure comments made by the domestic industry, the Authority notes that the normal value and the non-injurious price have been determined as per the anti-dumping Rules and consistent practice of the DGAD. The Authority further notes that all the submissions of domestic industry on valuation of captive inputs have been examined at the time of issue of disclosure statement and the value of captive inputs as per audited accounts has been considered for determination of non-injurious price.
 - ii. As regards the post-disclosure comments made by the opposite interested parties, the Authority notes that the same are basically reiterations of their earlier submissions, which have been addressed in the relevant para of this finding. However, the same are again addressed below:
 - a. The Authority notes that education cess has been considered in working out the landed price of imports.
 - b. The Authority holds that mere variation in price of the product over the period is insufficient to undertake a month wise analysis of dumping margin and injury margin.
 - c. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

- d. The Authority notes that the investigation has adequately established the causal link between the dumped imports and injury suffered by the domestic industry.
- e. The Authority notes that the objective and purpose of imposing anti-dumping duty is to prevent unfair trade practice and to create a level playing field for the domestic industry vis-a-vis dumped imports. The imposition of antidumping measures on the subject goods will not restrict imports.

K. Conclusions

- 62. After examining the issues raised and the submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, the Authority concludes that:
 - i. The subject goods have entered the Indian market from the subject country below associated normal value, thus resulting in dumping of the subject goods;
 - ii. The dumping margin of the subject goods imported from the subject country is above deminimis level;
 - iii. The domestic industry has suffered material injury in respect of the subject goods; and
 - iv. The material Injury to the domestic industry has been caused due to dumped imports of the subject goods from the subject country.

L. Indian industry's interest & other issues:

63. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

M. Recommendation

- 64. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all known interested parties. Adequate opportunity was also given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-dumping Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive Anti-dumping duty is required to offset dumping and injury.
- 65. Having regard to the lesser duty Rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

SI. No	Sub-Head -ing/ Tariff Item*	Description of Goods**	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount of Duty***	Unit of Measure- ment	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	29215990	4,4 Diamino Stillbene 2, 2 Disulphonic Acid(DASDA)	China PR	China PR	M/s Hebei Hua- Chem Dye Chemical Co., Ltd	M/s Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd	270	МТ	US\$
2	-do-	-do-	China PR	China PR		oination of porter (other No.1 above)	460	MT	US\$
3	-do-	-do-	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	460	MT	US\$
4	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	460	MT	US\$

Note: * The subject goods are also being imported under other tariff headings such as 29214290, 29222190, 29222990, 29309099, etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

- ** The Product Under Consideration i.e. 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA) is also known as follows:
 - 2, 2'- (1, 2- Ethylenediyl) bis (5-aminobenzenesulfonic acid).
 - 4, 4'-Diaminostilbene- 2, 2'-Disulfonic Acid.
 - 2, 2'-ethene -1, 2-diylbis (5-amino benzene sulfonic acid).
 - · Amsonic Acid.
 - DSD Acid.

N. Further Procedure

66. An appeal against the order of the Central Government arising out of this Final Findings Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J.S. DEEPAK, Designated Authority

^{***} The Anti-dumping duty shall be imposed on the quantity of subject goods calculated on 100% basis.